RNI.No.MPHIN/58880/95

सफलतम 30 वर्ष सच बेधड़क

दैनिक
विद्रोही तेवर

● वर्ष-31 ● अंक- 155 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शुक्रवार 05 जून, 2026 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

ईरान में फूट डालना चाहता है अमेरिका

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप को दी खुली चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि हार के बाद दुश्मन फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान 'आजाद' देशों के लिए गर्व का स्रोत बन गया है। ईरान की सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने

यह टिप्पणी अयातुल्ला रूहोल्ला खोमेनी की पुण्यतिथि की 37वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर पढ़े गए एक संदेश में की। ईरान के सुप्रीम लीडर का कहना है कि तेहरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने संबोधन में कहा है कि ईरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद ईरानी लोगों के लचीलेपन को नुकसान पहुंचाने और आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने दुश्मन की युद्ध के मैदान में हार के बाद फूट के प्रति आगाह किया।

बंगाल में ममता के सामने अब पहचान का संकट!

● सबसे मुश्किल दौर में पार्टी, बागी गुट ने किया खेल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक दल में टूट के बाद भी राजनीतिक उठापटक बाकी है। टीएमसी के बागी 60 विधायकों को विधानसभा में विपक्षी दल की मान्यता मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्रनाथ बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देते हुए ऑफिस की चाबी भी दे दी। टीएमसी पार्टी की ओर से नियुक्त शोभनदेव भट्टाचार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस के लिए धरना दे रहे थे। पार्टी में टूट के बाद मायूसी

ही उनके हाथ लगी। अब असली तृणमूल और नकली टीएमसी की लड़ाई शुरू होगी, जिस पर आखिरी फैसला विधानसभा अध्यक्ष को ही करना है। **बंगाल में महाराष्ट्र पार्ट-2 दोहराया जा रहा है-** बंगाल विधानसभा में टीएमसी में टूट के बाद ममता बनर्जी और पार्टी का भविष्य स्पीकर रतींद्रनाथ बोस के फैसलों पर टिक गया है। संजय राउत समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र के ऑपरेशन लोटस को दोहराया जा रहा है।

टीसीएस के बाद अब विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

● पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया

पुणे (एजेंसी)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी

ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा- अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। **ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था-** पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि एक महिला सहकर्मी उस पर इस्लाम अपनाने और मुस्लिम से संबंध बनाने का दबाव डालती थी।

देश में झूमकर आया 'मॉनसून'

● केरल से एंट्री, तीन दिन लेट, सात दिन जमकर बारिश का अनुमान ● एमपी और राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिसका लोग लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ ही गया। भारत में केरल के जरिए मॉनसून की एंट्री हो गई है। इसकी वजह से अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बरसात का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिण भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान तेज आंधी के साथ तूफान आएगा। मौसम विभाग ने मॉनसून आने की खुशखबरी देते हुए कहा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून चार जून को केरल से देश में प्रवेश कर चुका है।

दक्षिण भारत के राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी- मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण भारत के राज्यों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से भारी बारिश होगी।

पूर्वी भारत में तेज हवाएं चलने का अनुमान- मौसम विभाग के अनुसार, 6-7 जून के दौरान असम, मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने का अनुमान है। पांच से सात जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी यही संभावना है। चार से पांच जून के दौरान असम, मेघालय में भी तेज हवाएं चलने वाली हैं। 5-10 जून को अरुणाचल प्रदेश, 4-5 जून और 10 जून को असम, मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। चार जून को और छह से नौ जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, छह से नौ जून के दौरान असम, मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत में बदलेगा मौसम

वहीं, उत्तर भारत की बात करें तो चार से छह जून के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने वाली है। 5 से छह जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 5 से छह जून के दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलेंगी। 6 जून

को हिमाचल प्रदेश में भी तेज हवा चलने का अलर्ट है। चार से छह जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी यूपी में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। पांच जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही हाल रहने वाला है। पश्चिमी राजस्थान में 5 जून को तेज आंधी आएगी।

आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है एमपी

● इंदौर में कल होगा भारत-लैटिन अमेरिका निवेश फोरम 2026 का आयोजन ● एमपी को वैश्विक निवेश केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ, कई राजनयिक और प्रतिनिधि होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार वैश्विक निवेशकों, उद्योग जगत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के लिए आकर्षक निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है।

इसी क्रम में निवेश, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक साझेदारियों को नई गति देने के उद्देश्य से 6 जून को इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 की बैठक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मौजूदगी में राज्य सरकार के सहयोग से ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण फोरम का आयोजन मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम के सहयोग से रेडिसन ब्लू, इंदौर में होगा।

फोरम में लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के 15 देशों के

वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें विभिन्न देशों के राजदूत, एक उच्चायुक्त और एक महावाणिज्यदूत शामिल होंगे। इनके साथ निवेशक, निर्यातक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, व्यापार आयुक्त, एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और वरिष्ठ शासकीय अधिकारी सहित 350 से अधिक प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है एमपी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा निवेश संवर्धन और वैश्विक सहभागिता को लेकर किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर अधोसंरचना, तेज निर्णय प्रक्रिया और निवेशक हितैषी वातावरण के माध्यम से नए वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में यह फोरम भारत और लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन क्षेत्र के देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव फोरम को करेंगे संबोधित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं और वैश्विक साझेदारियों को लेकर फोरम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में भारत एलएसी विशेष संस्करण का विमोचन भी किया जाएगा। मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं और औद्योगिक अवसरों पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों द्वारा निवेश प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही व्यापार एवं निवेश के अवसरों, विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग तथा सेवा क्षेत्र में निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पैनल होंगे। विनिर्माण क्षेत्र से संबंधित चर्चा में औषधि, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र शामिल रहेंगे, जबकि सेवा क्षेत्र की चर्चा में सूचना-प्रौद्योगिकी, पर्यटन, फिनटेक तथा शिक्षा क्षेत्र में सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। फोरम में उद्योगों और निवेशकों के बीच प्रत्यक्ष संवाद को बढ़ावा देने के लिए बी2बी और बी2जी बैठकों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे नए व्यापारिक अवसरों और निवेश साझेदारियों को गति मिलेगी।

सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों को दें सघनता: राज्यपाल

● प्रत्येक मंगलवार को आंगनवाड़ी केन्द्र में सिकल सेल की जानकारी दें

● लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं आयुष विभाग की समीक्षा

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा की 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष विभाग को विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में सिकल सेल उन्मूलन गतिविधियों को सघनता के साथ संचालित करने के निर्देश दिये है। उन्होने कहा कि स्क्रीनिंग, उपचार, कार्ड और दवा वितरण प्रयासों के साथ ही रोग की जागरुकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाने चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के संकल्प को पूरा करने तक हमें थकना और रुकना नहीं है। इसलिए उन्मूलन और उपचार की नियमितता की जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में विशेष निगरानी की जाना जरूरी है। राज्यपाल श्री पटेल गुरुवार को लोक भवन में लोक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष विभाग के साथ चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे।

सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सही दिशा में सार्थक कार्य

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार, सिकल सेल उन्मूलन के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश सिकल सेल उन्मूलन के राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों में अग्रणी है। यह संबंधित विभागों द्वारा सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सही दिशा में सार्थक कार्यों का परिणाम है। उन्होंने स्वास्थ्य और आयुष विभाग के सिकल सेल उन्मूलन कार्यों और गतिविधियों की सराहना की। सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों से जुड़े सभी वरिष्ठ अधिकारियों सहित मैदानी अमले को बधाई दी। राज्यपाल को अपर मुख्य सचिव अशोक कुमार बर्णवाल ने विश्व सिकल सेल दिवस पर खंडवा जिले में प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में अवगत कराया। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, आयुष विभाग के प्रमुख सचिव शोभित जैन, जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती मीनाक्षी सिंह, आयुष विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

होटल मालिक 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

● दिल्ली आग ● जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस

भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

होटल मालिक बोला

मैं नहीं दूसरे लोग संभालते थे काम

गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी।

टीएमसी में बगावत, कांग्रेस-डीएमके की दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी कुछ ही समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि एक एकजुट विपक्ष केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी विधायी एजेंडे और उसके राजनीतिक नैरेटिव को पटरी से उतार सकता है। पिछले सत्र में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े सरकारी विधेयक की हार ने विपक्ष के इस हौंसले को और मजबूत किया था। लेकिन अब संसद के भीतर और बाहर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए आगे की राह बेहद आसान नजर आ रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भाजपा के दो सबसे मजबूत क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके) इस समय बड़े राजनीतिक संकटों और चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी इस समय अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों के एक गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के विपरीत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है। साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा पार्टी की स्थापना किए जाने के बाद से यह टीएमसी में अब तक का पहला औपचारिक विभाजन है।

भतीजे अभिषेक के खिलाफ गुस्सा- टीएमसी के एक सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह पूरा विद्रोह मुख्य रूप से ममता बनर्जी के उत्तराधिकारी और भतीजे अभिषेक बनर्जी के पार्टी में बढ़ते दबदबे के खिलाफ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विधायकों की इस बगावत का असर लोकसभा में टीएमसी के 28 और राज्यसभा में 13 सांसदों पर भी पड़ना तय है। हालांकि, दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए आवश्यक दो-तिहाई सांसदों का बागी गुट बनना अभी बाकी है, लेकिन भविष्य में इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

डीएमके और कांग्रेस में दूरी- दक्षिण भारत में भी विपक्ष का गणित पूरी तरह बिगड़ चुका है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी द्रमुक का हाथ छोड़कर सुपरस्टार से नेता बने विजय की नई पार्टी टीवीके से हाथ मिला लिया है। इस धोखे के बाद डीएमके अब केंद्र सरकार के प्रति अपनी पारंपरिक और स्वाभाविक शत्रुता छोड़ सकता है।

राजस्थान से सतीश पूनिया, एमपी से तरुण चुघ बने प्रत्याशी

बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी कर दिए 11 नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने 5 राज्यों में राज्यसभा चुनाव और एक राज्य में उपचुनाव के लिए अपने 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसमें राजस्थान से सतीश पूनिया और मध्य प्रदेश से तरुण चुघ का भी नाम है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश से तरुण चुग के अलावा रजनीश अग्रवाल को भी टिकट दिया है। वहीं, गुजरात से पार्टी ने 4 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार, जीतेंद्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के अलावा मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एससी ने मुंबई के 3 रेलवे पुलिसकर्मियों की जमानत की रद्द

मुंबई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर नाबालिग के साथ यात्रा कर रहे व्यक्ति से जबरन वसूली और आपराधिक धमकी देने के आरोपी तीन रेलवे पुलिसकर्मियों की अग्रिम जमानत रद कर दी है। इन पुलिसकर्मियों को पिछले साल सितंबर में बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह राहत दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने लगें, तो नागरिक असहाय होकर देखता रह जाता है और उसके पास चुपचाप झुकने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को अस्पष्ट बताते हुए उसे खारिज कर दिया। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि अपने पद का दुरुपयोग करने वाले किसी पुलिस अधिकारी के मामले से निपटते समय, 'एक आम आरोपी व्यक्ति पर लागू होने वाली सामान्य धारणाएं लागू नहीं होंगी। यह घटना पिछले साल अगस्त महीने की है। एक यात्री अपने एक नाबालिग बच्चे के साथ राजस्थान जा रहा था। यात्री ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर उसके पास से 14 ग्राम सोने का बिस्कुट और 31,900 रुपये नकद मिलने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था और फिर उससे जबरन वसूली की गई। इस मामले में पुलिसकर्मियों की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुई हैं। हाल ही में डिपार्टमेंटल इंक्वायरी के बाद राज्य सरकार द्वारा तीनों आरोपी पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

भाजपा विधायक की सख्त मांग: 'हेलमेट न पहनने वालों की बाइक एक महीने के लिए की जाए जब्त'

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और युवाओं की मौतों को लेकर भाजपा विधायक भूपेन बोरा ने सरकार और पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। बिहपुरिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक बोरा ने बुधवार को कहा कि हेलमेट न पहनकर बाइक चलाने वालों के खिलाफ केवल जुर्माना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी बाइक भी एक महीने के लिए जब्त की जानी चाहिए। उनका मानना है कि कड़ी कार्रवाई से सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और हादसों में कमी आएगी। गुवाहाटी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भूपेन बोरा ने बताया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के टिकिरा इलाके में हाल ही में कई दर्दनाक सड़क हादसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि तीन युवकों की बाइक दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। इन घटनाओं से पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। विधायक ने कहा कि दुर्घटनाओं से प्रभावित अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने युवाओं के लिए बाइक की गति सीमा तय करने जैसे कड़े उपायों पर भी विचार करने की आवश्यकता बताई।

जहरीली शराब कांड रोकने के लिए अठावले का अनोखा फॉर्मूला

ठाणे, एजेंसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने हाथ से बनाई जाने वाली कच्ची शराब को कानूनी मान्यता देने की वकालत करते हुए कहा है कि इससे न केवल सरकार का राजस्व बढ़ेगा, बल्कि जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर भी रोक लगाई जा सकेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी शराब के उत्पादन और बिक्री को सरकारी नियंत्रण में लाया जाए ताकि उसकी गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी तालुका स्थित बापगांव में एक निजी कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में अठावले ने हाल ही में पुणे में हुई जहरीली शराब त्रासदी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दिहाड़ी मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग अक्सर कच्ची शराब का सेवन करते हैं, जिससे कई बार जहरीली शराब के कारण जानलेवा घटनाएं सामने आती हैं। अठावले ने कहा कि यदि सरकार इस तरह की शराब को वैध बनाकर उसके उत्पादन को विनियमित करे तो अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा और लोगों को सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध हो सकेगा।

मंगेतर को प्रपोज करना कैप्टन भरत को पड़ेगा महंगा? सफाई मांग सकती है सेना

नासिक , एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में सेना की पासिंग आउट परेड के बाद एक नवनियुक्त आर्मी पायलट का अपनी प्रेमिका को प्रपोज करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस दिल छू लेने वाले वीडियो को इंटरनेट पर खूब प्यार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ सेना के कड़े नियमों और प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है।

यह पूरा वाकया मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थित कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित पासिंग आउट परेड के दौरान हुआ। वीडियो में देखा जा सकता है कि भारतीय सेना की वर्दी पहने पायलट कैप्टन भरत भारद्वाज रनवे पर चलते हुए आते हैं। बैकग्राउंड में सेना का एक हेलीकॉप्टर खड़ा नजर आ रहा है। कैप्टन भारद्वाज अचानक घुटनों के बल बैठ जाते हैं और अपनी पार्टनर को अंगूठी पहनाकर शादी के लिए प्रपोज करते हैं। उनकी पार्टनर इस सरप्राइज से बेहद खुश हो जाती हैं और गले लगाकर प्रपोजल को स्वीकार कर लेती हैं।

वीडियो और तस्वीरें वायरल होने के बाद जहां एक तरफ लोग कपल को बधाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सेना के सख्त अनुशासन और नियमों को लेकर सवाल भी उठाए जा रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, 'क्या इसकी अनुमति है? क्या आप डिफेंस ट्रेनिंग स्कूल के भीतर ऐसे प्रपोजल को फिल्मा सकते हैं और उन्हें सार्वजनिक रूप से साझा कर सकते हैं? मुझे लगा था कि सेना की एक बहुत ही सख्त आचार संहिता होती है।'

सोशल मीडिया पर आए रिएक्शन और विवाद के बीच सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि सेना ने इस पूरे मामले का संज्ञान लिया है। सेना के नियमों के मुताबिक, इस तरह का प्रपोजल और उसका सोशल मीडिया पर आना कई

प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जा रहा है। खबर है कि सेना इस मामले में पायलट कैप्टन भरत भारद्वाज से स्पष्टीकरण मांग सकती है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि इस भावुक और व्यक्तिगत कदम के लिए कप्तान को किसी बड़ी मुश्किल या कड़ी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अपनी साथी को प्रपोज करने के बाद समाचार एजेंसी एएनआई एएनआई से बात करते हुए कैप्टन भारद्वाज ने अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, 'हम सभी आज पायलट और इंस्ट्रक्टर बने हैं। यह हम सभी के लिए बहुत बड़ा दिन था। हमारी कड़ी मेहनत आज रंग लाई है। हम दोनों पिछले पांच साल से एक-दूसरे को जानते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनसे शादी का प्रस्ताव रखने के लिए इससे बेहतर कोई और दिन हो सकता था। यह मेरे परिवार के लिए भी बड़ा दिन है। मैं इस दिन को अपनी मंगेतर के लिए भी यादगार बनाना चाहता था। बस यही इसके पीछे की सोच थी।'

आपको बता दें कि नासिक का कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल भारतीय सेना का एक बेहद प्रतिष्ठित और प्रमुख फ्लाइंग ट्रेनिंग संस्थान है। यह सीधे तौर पर आर्मी ट्रेनिंग कमांड के तहत काम करता है, जहां बेहद कड़ी सुरक्षा और अनुशासन के मानक लागू होते हैं। यही वजह है कि संवेदनशील क्षेत्र में वीडियो बनाने और उसे सार्वजनिक करने पर सवाल उठ रहे हैं।

47 गांवों से होकर गुजरेगा अलीगढ़-मुरादाबाद हाईवे, रोड कनेक्टिविटी के साथ सफर का समय होगा कम

अलीगढ़, एजेंसी। यूपी में अलीगढ़वासियों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही अलीगढ़ से मुरादाबाद जाने में समय कम लगेगा और सफर भी रोड कनेक्टिविटी के चलते बेहतर होगा।

दरअसल प्रस्तावित अलीगढ़-मुरादाबाद हाई-स्पीड एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर जिले के 47 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके लिए एनएचएआई ने भूमि अधिग्रहण की आधिकारिक प्रक्रिया तेज कर दी है। एजेंसी ने डीपीआर बनाने का कार्य भी शुरू कर दिया। एनएचएआई के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने डीएम, अलीगढ़ को पत्र भेजकर कॉरिडोर के दायरे में आने वाले अलीगढ़ जिले के कुल 47 गांवों के राजस्व मानचित्र और अन्य आवश्यक भूमि रिकॉर्ड तत्काल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह राजस्व गांव तहसील कोल और तहसील गभाना में हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों पर एनएचएआई ने इस ग्रीनफील्ड हाईवे की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और डिजाइन तैयार करने का जिम्मा मैसर्स चैतन्या प्रोजेक्ट्स कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड को मैसर्स भवानी कंसलटेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से संयुक्त रूप से सौंपा है। इस कॉरिडोर के संरेखण (एलाइनमेंट) को मंत्रालय द्वारा पहले ही हरी झंडी दी जा चुकी है। एनएचएआई ने पत्र में स्पष्ट किया है कि कॉरिडोर का रूट अलीगढ़ के कई गांवों से होकर गुजरेगा। जमीन की पैमाइश और अधिग्रहण की कागजी कार्रवाई को समय से पूरा करने के लिए कंसलटेंसी कंपनियों के चार अधिकृत प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें रजित ठाकुर, प्रीतेश्वर पटेल, अव्लेंद्र प्रताप और हितेश कौशिक शामिल हैं। ये प्रतिनिधि सीधे अलीगढ़ के राजस्व अधिकारियों जैसे तहसीलदार और लेखपालों से संपर्क कर प्रभावित गांवों के विलेज मैप और जमीन से जुड़ी अन्य जानकारियां हासिल करेंगे, ताकि इन्हें हाईवे के फाइनल डिजाइन और डीपीआर में शामिल किया जा सके। कस्तरी वैश्या, पाला माजरा कस्तरी वैश्या, चन्दौखा, छेरत सुधियाल, साठा, खेरुपूरा, सपेरा भानपुर, जतपुर (जाटपुरा), किथारा, मोर्थल, बरौथ, बरौथा, मोहनपुर, हरदुआगंज, नयाबास नरेन्द्र गढ़ी, आज़मबाद महुआ, सिकंदरपुर महुआ, इमलानी, मई, खान आलमपुर, चंगेरी, महमूदपुर जमालपुर, भोजपुर, अलाहदादपुर, पनैथी, अदौन, जलुपुर सिहोर, भगवानपुर, फरीदपुर और जवां सिकंदरपुर।

राजस्थानः जैसलमेर में अब पाक मोबाइल सिम चलाई तो खैर नहीं, सरकार ने उपयोग पर लगाई रोक

जयपुर, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर जिले में पाक मोबाइल सिम के उपयोग पर रोक लगाई गई है। जैसलमेर जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे करीब चार किलोमीटर क्षेत्र तक पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क पहुंचता है। राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला कलक्टर अनुपमा जोरवाल ने पाकिस्तानी लोकल मोबाइल सिम के उपयोग करने अथवा उससे संपर्क करने पर रोक लगाने को लेकर आदेश जारी किए हैं। आदेश नहीं मानने वालों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को आशंका है कि सीमा पार से आने वाले

मोबाइल नेटवर्क का उपयोग जासूसी, तस्करी सहित अन्य देश विरोधी गतिविधियों में किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट पाकिस्तान ने कई मोबाइल टॉवर लगा रखे हैं। इन टॉवरों का नेटवर्क राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुंच रहा है। पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क जैसलमेर के चार किलोमीटर क्षेत्र तक पहुंचने का मामला सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर जिला कलक्टर ने रोक के आदेश जारी किए हैं। आशंका है कि पाकिस्तानी मोबाइल नेटवर्क का लाभ उठाकर संदिग्ध व्यक्ति या असामाजिक तत्व संवेदनशील सूचनाएं सीमापार भेज सकता है। पिछले महीनों में सीमावर्ती क्षेत्र में महत्वपूर्ण जानकारियां पैसों के लालच में पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में ई मित्र संचालक झबराराम, सरकारी कर्मचारी शकूर खान एवं महेंद्र प्रसाद और ग्रामीण हनीफ खान को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है।

केरलमः गिल्ट में किए गए कबूलनामे से सुलझी 40 साल पुरानी मर्डर मिस्ट्री, बेटे की मौत के बाद पिघला अपराधी का दिल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में गिल्ट से भरे कबूलनामे ने पुलिस को भी हैरान कर दिया है। इस खुलासे ने चार दशक पुरानी मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी को सुलझाने में मदद की है, जिससे जांचकर्ता उस युवक की पहचान कर सके हैं जिसके शव को 1986 में एक नाले में मिलने के बाद अज्ञात मानकर दफना दिया गया था। कोझिकोड के पहाड़ी इलाके तिरुवमबडी की पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान कन्नूर जिले के इरित्ती निवासी 22 वर्षीय मोहनन के रूप में हुई है। यह पहचान 56 वर्षीय मुहम्मदअली उर्फ एंटनी के पुलिस स्टेशन में आकर हत्या का गुनाह कबूलने के साल बाद हुई है।

4 जून, 2025 को मलप्पुरम जिले के निवासी मुहम्मदअली ने वेंगारा पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों को बताया था कि उसने नवंबर 1986 में व्यक्ति की हत्या कर दी थी, जब वह खुद किशोर था।

पुलिस के अनुसार, मुहम्मदअली ने बताया कि हाल ही में उसके बड़े बेटे की मौत और दूसरे बच्चे के साथ हुई दुर्घटना के बाद उसका अपराधबोध असहनीय हो गया था। उसने पुलिस को बताया कि वह दशकों तक नींद न आना और पश्चाताप की आग में जलता रहा। मुहम्मदअली ने कथित तौर पर बताया कि वह एक संपत्ति पर खेत मजदूर के रूप में काम कर रहा था, तभी वहां एक विवाद हो गया। उसने दावा किया कि एक व्यक्ति ने उस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद उसने आत्मरक्षा में उसे लात मार दी। वह व्यक्ति एक नाले में गिर गया और मुहम्मदअली वहां से भाग गया। इस कबूलनामे के बाद पुलिस ने उस पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था और फिलहाल वह जमानत पर बाहर है। पुलिस ने कहा कि मामले में जल्द ही चार्जशीट दायर की जाएगी।

आदिवासी आस्था पर चोट से भड़की हिंसाः सुकमा में मतांतरण विवाद में जमकर मारपीट

जगदलपुर, एजेंसी। सड्डापाल के बीचोंबीच खड़ी वह छोटी सी झोपड़ी अब गांव के जख्म की तरह दिखाई देती है। टूटा दरवाजा धूल में पड़ा है। भीतर बिखरी हैं बाइबल की प्रतियां, हल्बी में लिखी मिशनरी संस्था की 'नवा नियम'। चार दिन पहले तक यहां प्रार्थना की आवाज गूंजती थी, लेकिन 31 मई को हुई हिंसा के बाद आज ऐसा सन्नाटा है कि दूर चरती बकरियों के गले में बंधी घंटियों की आवाज भी साफ सुनाई देती है। हिंसा के बाद गांव के छह परिवार पलायन कर दूसरे गांव में शरण लेने के लिए मजबूर हुए हैं। दोनों पक्षों के 13 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पूर्व सरपंच हिड़मा मंडावी सहित दर्जनों ग्रामीणों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।सुकमा जिले की पालेम पंचायत का यह छोटा सा गांव इन दिनों केवल हिंसा की वजह से चर्चा में नहीं है।

यह उस टकराव की कहानी बन गया है, जो तब जन्म लेता है जब सदियों पुरानी आस्था और नई धार्मिक पहचान आमने-सामने खड़ी हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, यह विवाद एक दिन में पैदा नहीं हुआ। इसकी शुरुआत तब हुई, जब गांव के सिरहा परिवार ने अपनी पारंपरिक आस्था छोड़ दी। आदिवासी समाज में सिरहा केवल पुजारी नहीं, बल्कि देवगुड़ी (आदिवासियों के पूजा स्थल) और सामूहिक आस्था का संरक्षक माना जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि सिरहा पेडी की मृत्यु के बाद मिशनरी संस्था के लोगों ने उसके परिवार को समझाया कि उनकी विपत्तियों का कारण गांव के देव हैं। इसके बाद परिवार चर्च से जुड़ गया। इधर, गांव

के देवगुड़ी के पास सिरहा के परिवार की परंपरागत देवगुड़ी अब उजड़ चुकी है।

लोग चर्च जाने लगे और दो फाड़ में बंटा गांव

इमली पेड़ की छांव में बैठे हिड़मा वेट्टी कहते हैं, 'पहले पूरा गांव एक था। सभी देवगुड़ी में साथ पूजा करते थे, फिर धीरे-धीरे लोग चर्च जाने लगे।' पारंपरिक पूजा, त्योहार और सामूहिक अनुष्ठानों से दूरी बढ़ी और देखते ही देखते गांव दो हिस्सों में बंट गया। ग्रामीण हुंगा बताते हैं कि विवाद की असली चिंगारी देवगुड़ी के पास स्थित प्राकृतिक जलस्रोत बना। गर्मियों में अन्य जलस्रोत सूखने के बाद मतांतरित समुदाय प्रार्थना

गाजियाबाद में आबकारी विभाग का हेड कॉन्स्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

मोदीनगर, एजेंसी। शराब का ठेका चलाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा प्रत्येक महीने अनुज्ञापी से छह हजार रुपये रिश्वत ली जा रही थी। बुधवार को जब तलहैटा गांव के भीम त्यागी मोदीनगर तहसील में आबकारी विभाग के हेड कॉन्स्टेबल जगत सिंह को छह हजार रिश्वत देने आए तो एंटी करप्शन मेरठ की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। भीम की शिकायत पर ही टीम यहां पहुंची थी। टीम ने छह हजार रुपये पर केमिकल डालकर भीम को भेजा था। आरोपित हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ एंटी करप्शन टीम की तरफ से थाना मोदीनगर में केस दर्ज कराया गया है। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव तलहैटा के भीम सिंह का गांव में ही देशी शराब का ठेका है।

उनके मुताबिक, काफी समय से उनपर आबकारी विभाग के अधिकारी छह हजार रुपये प्रतिमाह देने के लिए दबाव बन रहे थे। मना करने पर ठेके का लाइसेंस रद कराने व उनके सामने ही दूसरे ठेका शुरू कराने की धमकी देते थे। इसको लेकर उनकी तरफ से आबकारी विभाग के उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

लगातार दबाव से परेशान आकर उन्होंने रिश्वत दी थी, लेकिन डिमांड बढ़ती चली गई। इसपर भीम ने एंटी करप्शन विभाग में शिकायत दी। टीम ने बुधवार को उन्हें छह हजार रुपये पर केमिकल लगाकर आबकारी कार्यालय मोदीनगर भेजा। टीम तहसील पहुंच चुकी थी। जैसे ही हेड कॉन्स्टेबल जगह सिंह ने रकम पकड़ी तो टीम कार्यालय में पहुंची और जगह सिंह को दबोच लिया। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई। पीड़ित भीम ने थाने पहुंचकर एंटी करप्शन टीम से कहा कि साहब आबकारी निरीक्षक की सह पर रिश्वत का काम चल रहा है। वह कई बार उनके ठेके पर आया और रिश्वत के लिए बोला। हाल ही में नए आबकारी निरीक्षक की यहां तैनाती हुई है। पीड़ित ने उसपर भी कार्रवाई की मांग उठाई है। पीड़ित का कहना है कि सभी ठेकों से रिश्वत जगह सिंह द्वारा ली जाती है और फिर यह रकम अन्य तक पहुंचती है।

बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई? जन्मदिन पर कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों का दौर शुरू

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। आज उनका 42वां जन्मदिन है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह आज कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि अन्नामलाई जल्द ही एक नई पार्टी या आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी से अलग होकर अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तैयार करने की योजना बना रहे हैं।

आपको बता दें कि 2 जून को अन्नामलाई ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने के लिए कहा है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अन्नामलाई ने बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन के साथ हुई एक बैठक में अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से अधर में लटका हुआ नजर आ रहा है जब बीजेपी ने उन्हें हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रुष्ठस्ब्ध) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया। पार्टी के इस फैसले के बाद से ही अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे हैं। इन अटकलों को खुद अन्नामलाई के एक बयान ने और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से कहा था कि वह अगले दो दिनों में अपनी स्थिति साफ करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था, 'कृपया थोड़ा इंतजार करें। हम

दो दिनों में एक साथ बैठेंगे और विस्तार से बात करेंगे।' साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने वाले अन्नामलाई का ग्राफ राजनीति में बहुत तेजी से ऊपर चढ़ा था। महज 10 महीने के भीतर ही उन्हें तमिलनाडु जैसे अहम राज्य की कमान सौंप दी गई। वह तमिलनाडु में बीजेपी के सबसे युवा अध्यक्ष बने। हालांकि अन्नामलाई खुद 2021 का विधानसभा चुनाव हार गए थे, लेकिन उन्होंने राज्य में बीजेपी के पैर पसारने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2021 के चुनावों में चार सीटें जीतीं, जिससे करीब दो दशकों के बाद बीजेपी की तमिलनाडु विधानसभा में वापसी हुई। अन्नामलाई के आक्रामक तेवरों और लोकप्रियता की बदौलत 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर साल 2019 के 3.66% से बढ़कर सीधे 11.24% पर पहुंच गया। इसके विपरीत नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में बीजेपी को भारी नुकसान उठाना पड़ा और पार्टी महज एक सीट पर सिमट कर रह गई। तमिलनाडु के कोयंबटूर और मदुरै जैसे प्रमुख शहरों में लगे कुछ पोस्टरों ने इस राजनीतिक सस्पेंस को और गहरा कर दिया है। अन्नामलाई के समर्थकों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या बीजेपी के किसी भी अन्य बड़े नेता की तस्वीरें गायब हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ पोस्टरों में अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इन पोस्टरों को देखकर राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि अन्नामलाई के समर्थक उन्हें बीजेपी से इतर एक स्वतंत्र और बड़े नेता के तौर पर पेश करने की तैयारी में जुटे हैं। अन्नामलाई को लेकर बने इस संशय ने बीजेपी खेमे के भीतर गहरी चिंता पैदा कर दी है। विशेष रूप से युवा मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता पार्टी आलाकमान से लगातार यह मांग कर रहे हैं कि स्थिति को तुरंत स्पष्ट किया जाए ताकि पार्टी कैडर के बीच फैल रहे भ्रम को रोका जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मीटर शाखा गंभीरता से कार्य करे एवं उपभोक्ता संतुष्टि की दिशा में प्रगति लाएं

इन्दौर (निप्र)। मीटर टेस्टिंग व मीटरीकरण शाखा रीडिंग गंभीरता से करें, डाटा का कंपनी और उपभोक्ता हित में उपयोग करे। इससे उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी होना चाहिए। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बुधवार को मीटर सेक्शन के अधिकारियों की बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने मीटर शाखा के प्रभारियों को निर्देशित किया कि समय पर कार्य किया जाए, बिलिंग समय पर हो, बिल त्रुटिरहित हो। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अचल जैन, श्रीमती सुषमा गंगराडे, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुनील पाटौदी, श्री सुधीर आचार्य ,मुख्य वित्त अधिकारी श्री अजय पाल सिंह अवास्या, श्री नरेंद्र दुबे, श्री नवीन गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 'पंख कार्यक्रम' की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

उज्जैन (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला उज्जैन के तत्वावधान में स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय दृष्टि योजना अंतर्गत पंख कार्यक्रम' की महत्वपूर्ण बैठक आज जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई ।बैठक की मुख्य अतिथि श्रीमती अजीता परमार रहीं। बैठक का मार्गदर्शन श्री श्रेयांस कूमट(मुख्य कार्यपालन अधिकारी), संभाग समन्वयक श्री शिव प्रसाद मालवीय एवं जिला समन्वयक श्री जय दीक्षित की उपस्थिति में हुआ ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के पूजन एवं माल्यार्पण से किया गया। बैठक में विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त किए गए तथा समाज विकास, जनभागीदारी को सशक्त बनाने और जिला स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा की गई ।बैठक में 11 विभागों के अधिकारी, सभी विकासखंड समन्वयक एवं जिले के विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने फूलों की उन्नत खेती का किया निरीक्षण

उज्जैन (निप्र)। बुधवार को सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट द्वारा विकासखंड उज्जैन अंतर्गत दो प्रगतिशील कृषकों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान श्री श्रेयांस कूमट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री पी.एस. कनेल, उप संचालक उद्यानिकी उपस्थित थे ।ग्राम सेवरखेड़ी में कृषक श्री नेपाल सिंह द्वारा पॉली हाउस एवं शेडनेट हाउस में फूलों की उन्नत खेती का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली पुष्प सीडलिंग तैयार कर राज्य के बाहर अच्छे भावों पर विक्रय कर उल्लेखनीय आय अर्जित की है। साथ ही सीडलिंग उत्पादन इकाई के माध्यम से स्थानीय स्तर पर 50-60 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहा है ।ग्राम आलमपुर उड़ाना में कृषक श्री आशाराम द्वारा 3 हेक्टेयर क्षेत्र में कश्मीरी गुलाब की अत्यंत उत्कृष्ट खेती की जा रही है। कृषक ने बताया कि गुलाब की खेती से पारंपरिक फसलों की तुलना में काफी अधिक आय प्राप्त हो रही है ।श्री कूमट ने दोनों कृषकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में उद्यानिकी को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रगतिशील कृषक प्रेरणादायक हैं।

समय-सीमा में सेवा उपलब्ध न कराने पर लगाया अर्थ दंड

खण्डवा (निप्र)। म.प्र. लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के तहत चिन्हित सेवाएं नागरिकों को समय सीमा में उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत सेवाओं के प्रदाय में देरी होने पर 250 रुपए प्रतिदिन के मान से अर्थदंड लगाया जाता है ।इसके तहत कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने ग्राम पंचायत बीड़ के सचिव श्री प्रकाश चौहान द्वारा आवेदक सौरभ सावनेर निवासी ग्राम बीड, को विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदाय में एक दिवस की देरी करने पर 250 रुपए अर्थ दंड लगाने के आदेश जारी किए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुनासा को निर्देशित किया गया है कि अर्थ दंड की राशि पंचायत सचिव के वेतन से काटकर चालान द्वारा जमा कराएं।

पत्रकारों के आवास और सुरक्षा के मुद्दों पर हर स्तर पर प्रयास हों, पत्रकारों को एकजुट होना चाहिए: प्रियंक कानूनगो

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य पहुँचे पत्रकार भवन

▸▸ परिचर्चा और संवाद कार्यक्रम आयोजित, बोले- 'पत्रकार ही हम तक पहुँचाते हैं खबर'

नर्मदापुरम। शहर में बुधवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (भारत सरकार) के सदस्य और कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त प्रियंक कानूनगो पहुँचे। इस दौरान कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में एक परिचर्चा एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्मदांचल पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों, सदस्यों, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों, अधिवक्ताओं और विशिष्ट जनों ने श्री कानूनगो का माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया।

परिचर्चा के दौरान श्री कानूनगो ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए मानवाधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और मीडियाकर्मियों के विचारों व समस्याओं को सुना। श्री कानूनगो ने कहा कि साल 2014 के बाद देश में पत्र-पत्रिकाओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जो अब बढ़कर करीब 1 लाख 50 हजार तक पहुँच गई है। वर्तमान में चार लाख से ज्यादा पत्रकार फील्ड में काम कर रहे हैं और 200 से अधिक टीवी चैनल डिजिटल रूप में सक्रिय हैं। सोशल मीडिया और यूट्यूब के इस दौर में पत्रकारों की संख्या और दायरा काफी बढ़ा है।

पत्रकारों की सुरक्षा और आवास उनका अधिकार

श्री कानूनगो ने जोर देकर कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और आवास की व्यवस्था उनका बुनियादी अधिकार है और इसे लेकर हर स्तर पर ठोस प्रयास होने चाहिए। पत्रकारों की सुरक्षा बेहद जरूरी है और यह उन्हें मुहैया कराई जानी चाहिए। अतीत का एक संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारों को हमेशा एकजुट रहना चाहिए। पत्रकार एक ही बिरादरी का होता है, इसमें कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। संकट के समय हमें एक-दूसरे की मदद की आवश्यकता होती है, इसलिए पत्रकार बिरादरी की एकता अनिवार्य है। कार्यक्रम में यह रहे मौजूद इस गरिमामयी अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी, बलराम शर्मा, धर्मेंद्र दीवान, राजेंद्र परिहार, मनोज चौरे, राजीव अग्रवाल, डॉ. सीमा केथवास, विजय कुंभारे, मनोज सोनी, विपिन महंत, मुकेश भदोरिया, कमल चाव्हाण, दयाराम फौजदार, मदन शर्मा, प्रदीप गुप्ता, रुद्र प्रताप, पुरुषोत्तम मालवीय, हेमंत राजपूत, एनडी दीक्षित, पूर्व अधिवक्ता प्रदीप चौरे, मनोज जराठे, के.एन. त्रिपाठी, इंद्र कुमार सोनी, अजय शर्मा, हिना अली, खुशबू बूलचंदानी, दुर्गेश राजपूत, देवेंद्र, गजेंद्र ठाकुर, दुर्गेश भट्ट, मनीष सोलंकी, राजीव दुबे, राजेश रैकवार, अनिल कहार, सौरभ परदेसी, डॉक्टर मयंक तोमर, मनोज यादव, अनूप तोमर, अनंत तिवारी, मनीष तिवारी, गोविंद चौधरी एवं गोलू अवस्थी सहित बड़ी संख्या में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार, अधिवक्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान श्री कानूनगो को माँ नर्मदा की छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं

श्री कानूनगो ने परिचर्चा में आवास और सुरक्षा सहित कई प्रमुख मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। पत्रकार भवन में उपस्थित मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में निष्पक्ष पत्रकारिता करना एक बड़ी चुनौती है।

पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं, इसलिए उनकी सामाजिक और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए सुरक्षित और सुलभ आवास की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी मानसिक तनाव के अपने दायित्वों का निर्वाह कर सकें। फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों को अक्सर कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है, उनके खिलाफ होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रताड़ना को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और शासन स्तर पर भी पत्रकारों की न्यायसंगत मांगों को सही मंच पर उठाने की बात कही। इसके साथ ही सुरक्षा, बीमा और मानदेय सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विमर्श हुआ। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों ने अपनी स्थानीय समस्याओं, विशेषकर आवास आवंटन और कार्यस्थल पर आने वाली सुरक्षा संबंधी अड़चनों से उन्हें अवगत कराया, जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन विजय कुंभारे ने किया एवं आभार प्रदर्शन बलराम शर्मा द्वारा किया गया।

समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई

यूसीसी के संबंध में जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यगणों, पत्रकारगणों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए

देवास (निप्र)। समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक मल्हार स्मृति मंदिर देवास में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य डॉ गोपाल शर्मा द्वारा विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने समान नागरिक संहिता के संभावित स्वरूप, विभिन्न राज्यों के अनुभव, सामाजिक समरसता तथा नागरिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। बैठक में जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगणों, पत्रकारगणों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव भी प्राप्त किए गये।

समिति सदस्य डॉ गोपाल शर्मा ने पारिवारिक कानूनों, महिलाओं के अधिकार, सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक प्रावधानों के संबंध में सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने आगामी चरणों में नागरिकों से संवाद एवं सुझाव प्राप्त करने के लिए ह्वष्.द्बश्च.द्द्य1.द्बठ्ठ पोर्टल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव ह्वष्.द्बश्च.द्द्य1.द्बठ्ठ पोर्टल पर भेज सकते है। संविधान में समानता के लिए यूसीसी लाने का प्रस्ताव है। इसी के लिए आज विचार विमर्श हो रहा है। कुछ प्रदेशो में पूर्व में यूसीसी लागू हो गया है। प्रदेश सरकार चाहती है कि यूसीसी लागू करने से पूर्व नागरिकों के सुझाव लिये जाये। यूसीसी का केन्द्र बिन्दु परिवार है।

डॉ गोपाल शर्मा ने कहा कि पारिवारिक संबंधो से ताल्लुकात रखने वाले जो कानून है, वो समान नागरिक संहिता के परिधि में आते है। मिसाल के तौर पर विवाह, विवाह विच्छेद, भरण पोषण, उत्तराधिकार, लिविंग है। हम सभी जानते है कि परंपरागत रूप से हमारे देश में विभिन्न प्रकार के धर्म समुदायों के लिए विभिन्न प्रकार के पारिवारिक लॉ लागू है। आजादी के बाद इनमें से कुछ कानूनों को सुधार करने की कोशिश की गई, लेकिन अभी भी बहुत से विषय ऐसे है जिनको सुधार नही किया गया है, जो परंपरागत रीति रिवाजों से चलते है।

समिति सदस्य श्रीमती शोभा पैठणकर ने यूसीसी के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कोई भी कार्य सरकार अकेले नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता हमारी पहचान है, सभी को मिलकर कार्य करना होगा। समिति सभी जिलों में जाकर सुझाव ले रही हैं। सुझावों के आधार पर ड्राफ्ट तैयार होगा।

बैठक में सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी, नगर निगम सभापति श्री रवि जैन, जिला अध्यक्ष श्री रायसिंह सेंधव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्यगण, पत्रकारगण, प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। बैठक के अंत में आभार अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन ने माना।

आबकारी इंदौर की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई में अवैध मदिरा के दो आरोपी गिरफ्तार

इन्दौर (निप्र)। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में, कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी अभियान संचालित किया जा रहा है। उड़नदस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में अवैध मदिरा के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रथम कार्रवाई 01 जून 2026 को वृत्त आंतरिक क्षेत्र क्रमांक-01 के उप निरीक्षक आशीष कुमार जैन द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में की गई। कार्रवाई के दौरान मोबिन उर्फ हनी पिता नफीस खान, निवासी अहिल्या पलटन, सदर बाजार, इंदौर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 100 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर का टीवीएस जुपिटर स्कूटर जप्त किया गया। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1.25 लाख रुपये है।

इसी क्रम में 03 जून 2026 को कनाडिया बाईपास क्षेत्र में की गई कार्रवाई में गोविंद पिता मोहन वैरागी, निवासी देवास को अवैध मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 2 पेटी रॉयल चैलेंज मदिरा तथा परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस रेडियन मोटरसाइकिल जप्त की गई। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 80 हजार रुपये है।

बढ़ती महंगाई के विरोध में भगवा पार्टी का जन आक्रोश प्रदर्शन

▸▸ 5 जून को भोपाल में होगा पुतला दहन

भोपाल। लगातार बढ़ती महंगाई, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल तथा खाद्य सामग्री की कीमतों में हो रही वृद्धि के विरोध में भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) द्वारा जन आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में पार्टी की प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा महंगाई के प्रतीकात्मक पुतला दहन का कार्यक्रम भी रखा गया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं कार्यालय प्रभारी विनोद कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है, जिससे जनता में आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन 05 जून 2026 (शुक्रवार) को शाम 5:15 बजे भोपाल स्थित प्लेटिनम प्लाजा के पास, अटल पथ के समीप किया जाएगा। इसमें पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

आयोजकों ने कहा कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना और महंगाई के खिलाफ जनभावनाओं को मजबूती से व्यक्त करना है।

प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में उपस्थित होकर जनता की आवाज को प्रमुखता से उठाने में सहयोग करें, जिससे आम नागरिकों की समस्याएं व्यापक स्तर तक पहुंच सकें।

फुलगावड़ी में पशुपालक जागरूकता कार्यशाला संपन्न

100 से अधिक दुग्ध उत्पादकों ने लिया लाभ

धार (निप्र)। संचालनालय, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश (भोपाल) के निर्देशानुसार दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए जिले के दुग्ध संघ शीत केंद्र फुलगावड़ी में एक दिवसीय पशुपालक जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के 100 से अधिक उत्साही पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों ने सहभागिता कर विभागीय योजनाओं एवं उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपसंचालक (पशु चिकित्सा सेवाएं जिला धार) डॉ. राकेश सिंह सिसोदिया रहे। कार्यशाला में ब्लॉक वेटरिनरी ऑफिसर धार डॉ. विक्रम पंवार, जिला नोडल अधिकारी (क्षीर धारा ग्राम योजना) डॉ. जे.वी.बी. राजू, ब्लॉक वेटरिनरी ऑफिसर सरदारपुर डॉ. दिलीप गामड़ एवं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीनाक्षी डावर ने उपस्थित होकर पशुपालकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। दुग्ध संघ की ओर से श्रीमती वर्षा सिंगारे एवं श्री मोहन वास्केल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।साइलेज निर्माण और संतुलित आहार पर रहा विशेष फोकसकार्यशाला में पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने पशुपालकों को वैज्ञानिक पशुपालन, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, पशुओं के संतुलित आहार प्रबंधन, खनिज मिश्रण के महत्व, रोग नियंत्रण एवं समय पर टीकाकरण की जानकारी दी।विशेष रूप से, ग्रीष्मकाल और वर्षभर हरे चारे की कमी को दूर करने के लिए 'साइलेज निर्माण' (हरे चारे को संरक्षित करने की वैज्ञानिक विधि), उसके पोषण लाभ तथा बनाने की विधि पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

'गोरस एप' से आसान होगा चारे का क्रय-विक्रयअधिकारियों द्वारा शासन के महत्वाकांक्षी 'गोरस एप' की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा गया कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पशुपालक चारे की उपलब्धता, उसके क्रय-विक्रय तथा विपणन संबंधी सुविधाओं का घर बैठे लाभ उठा सकते हैं। उपस्थित पशुपालकों को एप डाउनलोड करने और उसे चलाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला के सफल संचालन में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्री हेमराज कटारा, श्री अशोक मालवीय, सुनीता डामोर एवं ममता भयडिया सहित विभागीय अमले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ब्रिक्स प्रतिनिधि मण्डल के माण्डू भ्रमण को लेकर तैयारियाँ तेज

धार (निप्र)। आगामी 12 जून 2026 को ब्रिक्स (ब्रिक्स) प्रतिनिधि मण्डल का भ्रमण कार्यक्रम धार में प्रस्तावित है। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के अंतर्गत 12 जून को जिला धार के सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक पर्यटन क्षेत्र माण्डू में प्रतिनिधि मण्डल द्वारा ऐतिहासिक ''जहाज महल'' का भ्रमण किया जाएगा, जहाँ उनके लिए लाइट एवं साउण्ड शो, रात्रि भोज तथा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री राजीव रंजन मीना ने मांडू के जहाज महल का धरातलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक मांडू स्थित जहाज महल में ली। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी सहित सभी प्रमुख -विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मण्डल के आगमन को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री राजीव रंजन मीना ने वी.आई.पी. प्रोटोकॉल के अनुरूप समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी के विस्तृत आदेश जारी कर दिए हैं।

इस पूरे आयोजन की विस्तृत रूपरेखा और अधिकारियों के प्रभार संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त समस्त भ्रमण कार्यक्रम के मुख्य प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धार श्री अभिषेक चौधरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार श्री विजय डावर रहेंगे। यह प्रभारी अधिकारी सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, धार जिले की सीमा में प्रवेश करने वाली बसों की पायलेटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएंगे। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में सख्त निर्देश दिए हैं कि ड्यूटी पर तैनात समस्त दण्डाधिकारी और अधिकारी उनको सौंपे गये दायित्वों का पूर्ण निष्ठा और व्यवस्थित तरीके से निर्वहन करने के लिये व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी रहेंगे। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि इस वी.आई.पी. आयोजन में किसी भी स्तर पर ढिलाई अक्षम्य होगी, इसलिए क्षेत्र की छोटी से छोटी घटना या व्यवस्था संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी से जिला दण्डाधिकारी एवं प्रभारी अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जाए ताकि समय रहते त्वरित समन्वय और आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

खेल को जीवन का हिस्सा बनाएं एवं इसे नियमित रूप से जारी रखें- कलेक्टर

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की उपस्थिति में आज में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) का समापन समारोह का आयोजन हुआ। जोकि कलेक्टर सुश्री बाफना एवं पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत के मार्ग दर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) का आयोजन 01 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जिला मुख्यालय एवं विकासखण्ड स्तर पर किया गया था। जिसका आज समापन जिला मुख्यालय के स्टेडियम में किया गया।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी खेल को नहीं छोड़े, जीवन का हिस्सा बनाए तथा इसे नियमित रूप से जारी रखें। साथ ही उन्होंने योग, प्रणायाम आदि को प्रतिदिन करने के लिए कहा। इससे मन की शांति मिलती है और अध्ययन में मदद भी मिलेगी। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों, अभिभावक व महिलाओं ने भी रोप मलखंब ने रोप मलखंब एवं योग की प्रस्तुति दी।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह (2026) के अंतर्गत विकासखण्ड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय पर सहयोग प्रदान करने वाले 34 प्रशिक्षक को खेल विभाग की ओर से समारोह में ट्रेक सूट वितरित किए। साथ ही उन्होंने शाजापुर जिले से आर्मी एवं पुलिस विभाग में चयनित हुए 16 युवाओं का पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया।

संपादकीय

बालेन का बयान सियासी नासमझी

नेपाल के युवा प्रधानमंत्री और पूर्व में मशहूर रैपर रहे बालेन शाह द्वारा भारत और नेपाल द्वारा एक दूसरे की जमीन कथित अतिक्रमण और उसे सुलझाने को लेकर जिस तरह का विवादित बयान दिया है, वह यही साबित करता है कि उनमें राजनीतिक परिपक्वता की बेहद कमी है। शाह के बयान से जहां खुद नेपाल में भारी खलबली मची वहीं भारत ने उनके बयान और सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया है। कहा था कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की ज़मीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की ज़मीन पर अतिक्रमण किया है।दोनों पक्षों को बैठकर इस मामले को देखना चाहिए। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि नेपाल पहले ही भारत को एक आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है और उसे जवाब भी मिल चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल ने सीमा विवाद को लेकर चीन और यूनाइटेड किंगडम के साथ भी कूटनीतिक स्तर पर चर्चा की है।प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर अपनी अधिकृत प्रतिक्रिया में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा के कुछ हिस्से को लेकर मसले हैं, जिनको सुलझाना बाक़ी है। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने भारत-नेपाल सीमा के संबंध में नेपाल के पीएम के बयान और उनके विदेश मंत्रालय की टिप्पणी को सुना है। हालांकि भारत-नेपाल सीमा के 98 प्रतिशत हिस्से का निर्धारण हो चुका है लेकिन फिर भी कुछ हिस्सों में कुछ मसले हैं, जिनको सुलझाया जाना बाक़ी है। गंडक नदी के बहाव में परिवर्तन की वजह से ये स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके अतिरिक्त सीमा के निर्धारित हिस्सों में सीमा पार कब्ज़े और नो मैंस लेंड पर अतिक्रमण के मामले भी हैं, जिसका संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है। हमने सीमा संबंधित सभी मामलों से निपटने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं। सभी संबंधित पक्षों को ये स्पष्ट होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच जो भी द्विपक्षीय मामले हैं उनमें किसी भी तरह से किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।'' यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि शाह ने भारत नेपाल सीमा मसले को सुलझाने के लिए ब्रिटेन और चीन की मदद लेने की बात कही थी, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। उधर बालेन के बयान से खुद नेपाल में बवाल मच गया है। वहां के राजनीतिक दलों और सोशल मीडिया यूज़र्स द्वारा बालेन शाह की तीखी आलोचना की जा रही है। नतीजतन नेपाल के विदेश मंत्रालय को पीएम के बयान पर सफ़ाई देनी पड़ी है। कई नेपाली राजनयिकों ने कहा कि बालेन शाह के इस बयान ने कालापानी, लिम्पियाधुरा और सुस्ता पर नेपाल के दावे को कमज़ोर कर दिया है। वहीं दक्षिण एशिया मामलों के जानकार प्रोफ़ेसर एसडी मुनि ने प्रधानमंत्री बालेन शाह की साफ़गोई की तारीफ़ की है। मुनि ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री बालेन शाह इस बात को साहस के साथ स्वीकार करने के लिए बधाई के पात्र हैं कि भारत-नेपाल सीमा विवाद एकतरफ़ा नहीं है। नदी के मार्ग में बदलाव के कारण नेपाल सुस्ता क्षेत्र में भारतीय भूभाग पर बैठा हुआ है।' हालाँकि, उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की कोशिश न करने की सलाह दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जेन जी आंदोलन के बाद बीती पांच मार्च को हुए चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने प्रतिनिधि सभा में लगभग दो-तिहाई बहुमत हासिल कर बालेन शाह के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। लेकिन इस सरकार ने सत्ता में आते ही कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिन पर उंगलियां उठ रही हैं।

तमिलनाडु की सियासत बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती

दक्षिण भारत के सियासी समर में तमिलनाडु इस वक्त एक बेहद दिलचस्प और जटिल मोड़ पर खड़ा है। कर्नाटक कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई की दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकातों ने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। चेन्नई एयरपोर्ट पर बिना बीजेपी के झंडे वाली गाड़ी से उतरने से लेकर दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन मंत्री बीएल संतोष के साथ बंद कमरों में हुई बैठकों तक, हर घटनाक्रम इसी ओर इशारा कर रहा है कि यह रिश्ता अब एक 'म्युचुअल डिवोर्स' यानी आपसी सहमति से जुदा होने की कगार पर पहुंच गया है।

अजय कुमार

करीब पांच साल का यह साथ दोनों ही पक्षों के लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जहां दोनों ने एक-दूसरे को बहुत कुछ दिया, लेकिन अब इस रिश्ते की उम्र पूरी होती दिख रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि अन्नामलाई बीजेपी से कोई दुश्मनी या टकराव मोल लेकर नहीं, बल्कि एक बेहद 'खूबसूरत मोड़' पर हंसते-हंसते विदा होना चाहते हैं, ताकि भविष्य में कभी जरूरत पड़ने पर गठबंधन या साथ मिलकर काम करने के विकल्प हमेशा खुले रहें।

राजनीतिक गलियारों और सूत्रों के हवाले से जो खबरें छनकर बाहर आ रही हैं, उनके मुताबिक अन्नामलाई ने दिल्ली दरबार में साफ तौर पर पार्टी से अलग होने की इच्छा जताते हुए अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी है। हालांकि, बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें इतनी आसानी से खोना नहीं चाहता। यही वजह है कि जब अन्नामलाई अमित शाह से मुलाकात के बाद वापस चेन्नई लौटने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के रास्ते में थे, तब उन्हें फोन करके दोबारा बातचीत के लिए वापस बुला लिया गया। शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि वह प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अपने फैसले पर एक बार फिर ठंडे दिमाग से विचार करें। बीजेपी की तरफ से उन्हें मनाने के लिए राज्यसभा सीट तक का ऑफर दिया गया, जिसे अन्नामलाई ने बेहद शालीनता से ठुकरा दिया। दरअसल, अन्नामलाई ने हाईकमान के सामने बहुत स्पष्ट तौर पर दो ही विकल्प रखे हैं। पहला विकल्प यह है कि उन्हें पूरी स्वायत्तता, असीमित अधिकार और कम से कम सात साल के एक लंबे कार्यकाल के साथ दोबारा तमिलनाडु बीजेपी की कमान सौंपी जाए। दूसरा विकल्प यह कि अगर पार्टी ऐसा नहीं कर सकती, तो उन्हें गरिमापूर्ण तरीके से अपनी अलग राजनीतिक राह चुनने की आजादी दे दी जाए।

अन्नामलाई का पूरा ध्यान इस वक्त तमिलनाडु की जमीनी हकीकत पर केंद्रित है। उनका तर्क है कि राज्य के मौजूदा सियासी मिजाज में किसी भी शुद्ध राष्टीय पार्टी के लिए बहुत ज्यादा गुंजाइश नहीं बची है। वहां एक ऐसी नई और वैकल्पिक राजनीतिक ताकत की जरूरत है, जो जमीन से जुड़ी हो और तमिल

अस्मिता के साथ-साथ तमाम तबकों की चिंताओं को सुनने का माद्दा रखती हो। सूत्रों की मानें तो अन्नामलाई सीधे कोई राजनीतिक दल घोषित करने के बजाय सबसे पहले तमिलनाडु में एक बड़ा गैर-राजनीतिक जनआंदोलन शुरू करने की तैयारी में हैं, जिसका नाम 'मक्कल शक्ति इयक्कम' यानी 'पीपुल्स पावर मूवमेंट' हो सकता है। यह आंदोलन 'राष्टवादी तमिल दर्शन' की बुनियाद पर खड़ा होगा, जिसे बाद में चलकर एक मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक दल का रूप दिया जा सकता है। आगामी 7 जून को वह अपने तमाम समर्थकों के साथ एक बड़ी बैठक करने वाले हैं, जिसके बाद उनकी आगे की रणनीति और इस नए सफर का आधिकारिक ऐलान होने की पूरी संभावना है।

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे तमिलनाडु के बदलते राजनीतिक समीकरण और हाल ही में उभरा एक नया 'शून्य' सबसे बड़ी वजह है। दरअसल, सिनेमा के पर्दे से सियासत के मंच पर आए सुपरस्टार सी. जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 108 सीटें जीतकर राज्य के दशकों पुराने द्रविड़ समीकरण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। विजय की इस आक्रामक एंट्री ने सत्तारूढ़ डीएमके और मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के पारंपरिक वोट बैंक में जबरदस्त सेंध लगाई है। अन्नामलाई को लगता है कि थलपति विजय के इस उभार के बाद द्रविड़ राजनीति का वह पुराना दौर अब खत्म हो चुका है, जहां सिर्फ भाषा और क्षेत्रीयता के पुराने ढर्रे पर चुनाव जीते जाते थे। इस वक्त विजय को काउंटर करने के लिए राज्य में कोई दूसरा बड़ा और जुझारू चेहरा नहीं है। ऐसे में नए प्रयोगों और चेहरों के लिए तमिलनाडु की धरती पर एक बड़ा स्पेस तैयार हुआ है, जिसे अन्नामलाई अपनी शर्तों पर भुनाना चाहते हैं।

बीजेपी के भीतर भी इस बात को लेकर एक गंभीर आत्ममंथन चल रहा है कि अन्नामलाई का जाना पार्टी के लिए एक बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। राज्य के कई सीनियर नेताओं का दबी जुबान में मानना है कि दिल्ली में बैठे रणनीतिकार तमिलनाडु के जमीनी मिजाज और चुनावी नब्ज को ठीक से समझने में नाकाम रहे। अगर पार्टी ने अन्नामलाई को पूरी खुली छूट और फैसले लेने की आजादी दी होती, तो आज विजय राज्य में राजनीतिक परिवर्तन के अकेले नायक बनकर नहीं उभरते। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो अन्नामलाई की बेहद आक्रामक और लोकप्रिय 'एन मन्न, एन मक्कल' (मेरी भूमि, मेरे लोग) पदयात्रा ने राज्य की राजनीति का नक्शा बदल दिया था। करीब 200 दिनों तक चली और सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को नापने वाली इस यात्रा की बदौलत ही 2021 के चुनाव में महज 3 फीसदी पर सिमटी बीजेपी का वोट शेयर 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर 11 फीसदी तक पहुंच गया था। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्रीय नेतृत्व ने अन्नामलाई को किनारे करते हुए नैनार नागेंद्रन को कमान सौंप दी, जिसके पीछे एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की मजबूरियां बताई गईं। नतीजा यह हुआ कि बीजेपी का वोट शेयर 2026 में एक बार फिर गिरकर महज 3 फीसदी पर आ गया।

इस पूरी उठापटक ने अन्नामलाई के समर्थकों के भीतर इस भरोसे को और मजबूत कर दिया है कि उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक लोकप्रियता और वजूद, सूबे में बीजेपी की अपनी सांगठनिक ताकत से कहीं ज्यादा बड़ा हो चुका है। यही वजह है कि चुनावी हार के बावजूद अन्नामलाई लगातार सुर्खियों के केंद्र में बने हुए हैं। 2021 में करूर की अरावाकुरिची सीट से विधानसभा चुनाव हारने और 2024 में कोयंबटूर लोकसभा सीट पर शिकस्त मिलने के बाद भी उनकी प्रासंगिकता रत्ती भर कम नहीं हुई है। उनकी साफ-सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव, सुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख युवाओं और शहरी वोटरों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

हालांकि, बीजेपी जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का 'ठप्पा' हटने के बाद अपनी नई स्वतंत्र पहचान बनाना अन्नामलाई के लिए किसी बड़े स्टार्ट-अप को शुरू करने जैसा ही जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण काम है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जहां राष्ट्रीय दलों से अलग होकर क्षेत्रीय दल बनाने वाले कद्दावर नेता बाद में अपनी अलग पहचान बनाए रखने के लिए संघर्ष करते दिखे। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का उदाहरण सबके सामने है, जो बीजेपी से अलग होकर सालों तक पदयात्राएं करते रहे लेकिन अंततः जनता के बीच से अपनी पुरानी छवि नहीं मिटा पाए और वापस बीजेपी में ही अपनी पार्टी का विलय करना पड़ा। अन्नामलाई के सामने भी यही सबसे बड़ा खतरा है कि क्या वह खुद पर लगे बीजेपी के रंग को उतारकर जनता को यह समझा पाएंगे कि उनका नया आंदोलन वाकई अलग और पूरी तरह तमिल अस्मिता को समर्पित है। बहरहाल, 41 वर्षीय युवा और ऊर्जावान अन्नामलाई के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और समय उनके पक्ष में है। वह इस पूरी विदाई को मशहूर शायर बशीर बद्र के उस फलसफे की तरह जीना चाहते हैं, जिसमें कहा गया है कि 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न हों।' अब देखना यह होगा कि 7 जून को चेन्नई की धरती से वह कौन सा नया राजनीतिक शंखनाद करते हैं।

अध्यात्म

मैं तो केवल भेष से साधू हूँ

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था।एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका।आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया।साधु ने आनंद के लिए प्रार्थना की– भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे।साधु की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला– अरे, महात्मा जी! जो है, यह भी नहीं रहने वाला।साधु आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधु आनंद से मिलने गया।आनंद ने अभाव में भी साधु का स्वागत किया।झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया।खाने के लिए सूखी रोटी दी।दूसरे दिन जाते समय साधु की आँखों में आँसू थे ।साधु कहने लगा– हे भगवान्!ये तूने क्या किया ?卐 आनंद पुन- हँस पड़ा और बोला– महाराज आप क्यों दुःखी हो रहे हैं? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए।समय सदा बदलता रहता है और सुनो!यह भी नहीं रहने वाला।साधु मन ही मन सोचने लगा– मैं तो केवल भेष से साधु हूँ ।सच्चा साधु तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधु फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है।मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया।साधु ने आनंद से कहा– अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया ।भगवान् करे अब तू ऐसा ही बना रहे।यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा– महाराज!अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है।साधु ने पूछा– क्या यह भी नहीं रहने वाला ? आनंद ने उत्तर दिया– हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा।कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा का अंश आत्मा।आनंद की बात को साधु ने गौर से सुना और चला गया।साधु कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है।बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। कह रहा है आसमां यह समां कुछ भी नहीं। रो रही हैं शबनमें, नौरंगे जहाँ कुछ भी नहीं। जिनके महलों में हजारों रंग के जलते थे फानूस।झाड़ उनके कब्र पर, बाकी निशां कुछ भी नहीं। साधु कहता है– अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दुःख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता।

विकास की ऐतिहासिक भूलें और एथेनॉल का संकट

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध, वैश्विक अस्थिरता और बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं ने दुनिया को एक बार फिर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव के बीच भारत में इन दिनों 'एथेनॉल ब्लेंडिंग' (पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण) को ऊर्जा सुरक्षा के एक बड़े समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सरकार ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।पहली दृष्टि में यह पहल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयातित तेल पर निर्भरता में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम प्रतीत होती है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या हम तेल आयात का बिल कम करने की जल्दबाजी में अपनी आने वाली पीढ़ियों का पानी, भूमि और खाद्य सुरक्षा दांव पर लगा रहे हैं?

निलेश देसाई

यदि विकास के इतिहास को समग्र दृष्टि से देखें तो एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आती है। जब भी किसी तात्कालिक संकट के समाधान के लिए जल्दबाजी में कोई नई नीति लागू की गई, वह कुछ समय बाद स्वयं एक बड़े संकट का कारण बन गई। आज एथेनॉल के संदर्भ में भी हमें इसी ऐतिहासिक अनुभव से सीखने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत के विकास इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ तत्कालीन समस्याओं के समाधान ने भविष्य में नई चुनौतियों को जन्म दिया।

हरित क्रांति – साठ और सत्तर के दशक में देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। रासायनिक उर्वरकों, संकर बीजों और अत्यधिक सिंचाई पर आधारित हरित क्रांति ने तत्कालीन भूख की समस्या का समाधान किया और भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। किंतु आज वही मॉडल मिट्टी की उर्वरता में गिरावट, जैव विविधता के क्षरण, रासायनिक प्रदूषण और भूजल दोहन जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे जा चुका है।

नलकूप क्रांति – किसानों को मानसून की अनिश्चितता से बचाने के लिए नलकूपों और भूजल आधारित सिंचाई को प्रोत्साहित किया गया। कुछ दशकों बाद स्थिति यह है कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा दोहनकर्ता बन गया है और अनेक क्षेत्र 'डार्क ज़ोन' घोषित किए जा चुके हैं। आज एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी यही प्रश्न हमारे सामने खड़ा है। क्या हम ऊर्जा सुरक्षा की खोज में जल सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं?

आंकड़ों के पीछे छिपा जल संकट – भारत में वर्तमान में मुख्यतः पहली पीढ़ी (1 जी) के एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना, चावल और मक्का जैसी खाद्य फसलों का उपयोग किया जा रहा है। ये फसलें अत्यधिक पानी की मांग करती हैं। एक लीटर चावल आधारित एथेनॉल उत्पादन के लिए लगभग 10,790 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 3,630 लीटर पानी खर्च होता है। एक लीटर मक्का आधारित एथेनॉल के लिए लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है।भारत के अनेक राज्य पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पेयजल तक का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे समय में पानी-गहन फसलों को ईंधन उत्पादन के लिए बढ़ावा देना दीर्घकालिक दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है।

जमीनी हकीकत– छोटे किसानों की आत्मनिर्भरता पर असर– भारत के लगभग 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है। एथेनॉल उद्योग की बढ़ती मांग और बाजार के आकर्षण ने खेती के स्वरूप में तेजी से बदलाव लाना शुरू कर दिया है।

खेती की विविधता का क्षरण – परंपरागत

रूप से किसान अनाज, दालें, तिलहन, सब्जियां और पशुपालन को एकीकृत रूप से अपनाता था। इससे परिवार की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती थी। आज नकदी फसलों और एकल खेती के विस्तार के कारण किसान स्वयं अपने भोजन के लिए बाजार पर निर्भर होता जा रहा है।

सामुदायिक सहयोग की परंपराओं का विघटन –ग्रामीण समाज में 'आदजी-पादजी' जैसी परंपराएं, जिनमें लोग एक-दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे, धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही हैं। यंत्रीकरण और व्यावसायिक खेती ने सामुदायिक संबंधों को कमजोर किया है।

बीज संप्रभुता का संकट – देशी बीजों की परंपरा लगातार कमजोर हो रही है। किसान अब बाजार आधारित संकर बीजों, रासायनिक उर्वरकों और बाहरी आदानों पर अधिक निर्भर होता जा रहा है। इससे खेती की लागत बढ़ती है और किसानों की ऋणग्रस्तता गहराती है।

भोजन बनाम ईंधन- एक उभरता हुआ संकट – एथेनॉल नीति का सबसे गंभीर प्रश्न 'भोजन बनाम ईंधन' का है। जब उपजाऊ भूमि और खाद्य फसलें वाहनों के लिए ईंधन उत्पादन में लगाई जाएंगी, तो खाद्य सुरक्षा पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यदि किसान अधिक लाभ के कारण दालों और तिलहनों की खेती छोड़कर एथेनॉल हेतु उपयोगी फसलों की ओर आकर्षित होते हैं, तो भविष्य में देश को दालों और खाद्य तेलों के आयात पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में विडंबना यह होगी कि हम पेट्रोलियम आयात का बिल तो घटा देंगे, लेकिन भोजन आयात का बिल बढ़ा लेंगे। इससे न तो वास्तविक आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी और न ही संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग सुनिश्चित होगा।

आगे का रास्ता– समग्र दृष्टि की आवश्यकता

- ऊर्जा सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे जल, भूमि और खाद्य सुरक्षा की कीमत पर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए कुछ वैकल्पिक और दूरदर्शी कदम आवश्यक हैं।
- एथेनॉल उत्पादन को कृषि अपशिष्ट, जैविक कचरे और दूसरी पीढ़ी (2 प्रतिशत) के बायोफ्यूल तक सीमित किया जाए।
- गांव स्तर पर विकेंद्रीकृत बायोगैस और जैव-ऊर्जा मॉडल विकसित किए जाएं।
- ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी और रागी जैसे कम पानी वाली मोटे अनाज की फसलों को प्रोत्साहित किया जाए।
- जल उपयोग, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों का समग्र मूल्यांकन किए बिना किसी भी विस्तारवादी नीति को लागू न किया जाए।
- नीति निर्माण में किसानों, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक वृद्धि या आयात बिल में कमी नहीं है। विकास वह है जो प्रकृति, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करे। इतिहास हमें बार-बार चेतावनी देता रहा है कि तात्कालिक लाभ के लिए बनाए गए समाधान, यदि समग्र दृष्टि के बिना लागू किए जाएं, तो भविष्य में गंभीर संकट का रूप ले सकते हैं।

एथेनॉल नीति के संदर्भ में भी हमें यही सावधानी बरतनी होगी। अन्यथा आज जो ऊर्जा सुरक्षा का समाधान प्रतीत हो रहा है, वही कल जल संकट, खाद्य असुरक्षा और कृषि संकट के रूप में हमारे सामने खड़ा हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास को केवल उत्पादन और उपभोग के चश्मे से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों और प्रकृति के संतुलन की दृष्टि से भी देखें।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया जा रहा श्रम सार्थक होगा। विरोधी सक्रिय रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

वृषभ
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

कर्क
व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। संयम से काम लेना होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी, लेकिन दांपत्य जीवन में कुछ व्यवधान आ सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। नौकरी या व्यावसायिक चल रहा प्रयास सफलता की ओर अग्रसर होगा। परिवार से सहयोग मिलेगा।

तुला
बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक कार्यों में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। नए संबंध बनेंगे।

वृश्चिक
पारिवारिक महिला से तनाव मिलेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। भागदौड़ रहेगी। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

मकर
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कुंभ
आत्मविर्श्वास में वृद्धि होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। जीविका के क्षेत्र में आशातीत प्रगति होगी।

मीन
आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। संतान या शिक्षा के कारण तनाव रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। संयम से काम लें।

मल्टी-सिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम नई चिंता, कैसे निपटें

कोरोना वायरस की रफ्तार कम होने लगी है लेकिन अन्य गंभीर बीमारियां बड़ों से लेकर बच्चों में पाई जा रही है। बड़ों में अलग किस्म की जीवनघातक बीमारियां हो रही है तो दूसरी ओर बच्चों में कोविड के बाद मल्टी-सिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम (एमआईएस-सी) बीमारी पाई जा रही है। पिछले साल 2020 के मुकाबले इस साल 2021 में बच्चों में कोविड-19 और एमआईएस-सी के केस लगातार सामने आ रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है मल्टी-सिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम, लक्षण और उपाय।

मल्टी-स्टिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम क्या है ?

यह बीमारी कोविड-19 से ठीक होने के बाद बच्चों में पाई जा रही है या परिवार में कोई संक्रमित हो गया था उनसे भी दूरी बनाकर एहतियात बरतने के लिए कहा जा रहा है। कोविड - 19 से संक्रमित बच्चों के ठीक होने के बाद परिजन को कम से कम 6 से 8 सप्ताह तक बच्चों की अच्छे से देखभाल करना है। क्योंकि यह बीमारी कोविड- 19 से ठीक होने के बाद जन्म ले रही है। कोविड- 19 से ठीक होने के बाद जब रक्षा प्रणाली शरीर में अति सक्रिय हो जाती है। जिससे पाचन तंत्र, ह्दय, फेफड़ें, ब्लड वेसल, दिमाग जैसे अंगों पर इसका प्रभाव पड़ता है और यह सूजने लग जाती है। इस बीमारी के अमेरिका और यूके में अधिक केस सामने आ रहे थे। लेकिन अब भारत में भी इसका प्रभाव बढ़ता दिख रहा है।

मल्टी-स्टिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम के लक्षण

तेज बुखार, पेट दर्द, हार्ट, फेफड़ों में समस्या होना, मस्तिष्क प्रभावित होना। इसी के साथ शरीर पर लाल चकत्ते होना, आंखें लाल होना, जीभ लाल पड़ना। यह बीमारी एकदम पकड़ में नहीं आती है।

मल्टी-स्टिस्टम इन्फ्लैमेटरी सिंड्रोम से बचाव के उपाय

यूरोप के नेशनल हेल्थ मिशन के मुताबिक इस बीमारी के बताए गए लक्षण दिखने पर तुरंत हॉस्पिटल ले जाना चाहिए। इस बीमारी से ठीक होने के लिए इंट्रावीनस इम्यूनोग्लोबुलिन एंटीबॉडी और एस्पिरिन दो तरह की दवा दी जाती है। डॉक्टर लक्षण के मुताबिक कॉर्टिकोस्टेरॉयड्स भी देते हैं। लेकिन सभी अलग - अलग लक्षण के अनुसार दी जाती है।

मुंह के छालों से छुटकारा पाने के लिए जरूर अपनाएं ये घरेलू उपाय

पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं। पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते है।

छालो से बचाव के उपाय

खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।

- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

हलवा देता है पौष्टिक फायदे

- सूजी का हलवा बना रहे हैं तो सूजी के दाने थोड़े मोटे ही लें, एकदम बारीक नहीं। यह पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है।
- अगर आटे का हलवा बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि आटा जरा मोटा पिसा हुआ हो, ये चिपकेगा नहीं और स्वाए व पाचन दोनों के लिए अच्छा रहेगा।
- अगर नुकसान से बचना चाहते हैं, तो डालडा या बाजार के घी के बजाए देसी घी या गाय के शुद्ध घी का प्रयोग करें। देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है।
- हलवे को सूर्योदय के पहले उठकर मुंह धोकर पकाते हुए तुरंत गर्मा-गरम खाना चाहिए।
- हलवा ठंडा करके न खाएं, इसे गर्मागर्म ही परोसें ताकि सिरदर्द या न्यूरो वेस्कुलर डिसआर्डर जैसी समस्याओं में फायदा मिल सके।
- हलवा खाने के तुरंत या कुछ देर बाद तक भी ठंडा पानी न पिएं, वरना आप इसके फायदों को नहीं पा सकेंगे। आधे घंटे बाद ही पानी पिएं।
- हलवा पचने में बहुत हल्का होता है, इसलिए इसे सर्जरी के बाद, प्रसव के बाद, कमजोरी में, बीमारी से उबरने में और कम वजन वाले लोगों को भी दिया जा सकता है।
- हलवे में केसर, इलायची और थोड़े से सूखे मेवों का प्रयोग किया जा सकता है।
- देशी घी में बना हलवा त्रिदोषों का संतुलन करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।
- शकर की जगह गुड़ का प्रयोग करेंगे, तो स्वाद और सेहत दोनों के फायदे पा सकेंगे। अगर आपको शकर ही डालना है, तो ब्राउन शुगर भी यूज कर सकते हैं।

नोट : मधुमेह रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

ग्रीन टी से ज्यादा लाभकारी है नीली चाय

ग्रीन टी और ब्लैक टी के बारे में तो आप जानते ही हैं, और इनका सेवन भी करते ही होंगे, लेकिन क्या कभी ब्लू टी यानि नीली चाय पी है आपने? अगर नहीं पी है तो एक बार जरूर ट्राय कीजिए, क्योंकि सेहत और ब्यूटी के लिए बेहद फायदेमंद है ये नीली चाय

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये चाय नीली कैसे होती है, तो हम आपको बता दें कि ये चाय अपराजिता के खुबसूरत नीले फूलों को उबालकर बनाई जाती है, इसलिए इसका रंग नीला होता है। इसे बटरफ्लाई टी भी कहा जाता है। जानिए इसे बनाने की विधि और 5 गजब के फायदे -

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए, अपराजिता के नीले फूल, पानी और स्वाद अनुसार नमक, शकर या नींबू। सबसे पहले पानी उबाल लें और उसमें अपराजिता के फूल डालें। जब इसका रंग नीला हो जाए, तो इसमें नमक या शकर डालें और कुछ बूंद नींबू की डालकर छान लें। अब यह पीने के लिए तैयार है। अब जानिए इसके फायदे -

डिटॉक्स टी

आपके शरीर से अवांछित तत्वों को बाहर निकालकर ये चाय बॉडी को डिटॉक्स करती है और शरीर की आंतरिक सफाई करती है।

इम्युनिटी बूस्टर

यह एक बेहतरीन इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करती है और इम्यूनिटी को बढ़ाकर बीमारियों से आपकी रक्षा करती है।

डायबिटीज

यह नीली चाय डायबिटीज के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद है। यह शुगर के लेवर को मेंटेन करने में काफी मददगार होती है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

खूबसूरती को और निखारना चाहते हैं तो नीली चाय एक बढ़िया विकल्प है। यह चेहरे के दाग, धब्बे और झाइयों को मिटाकर रंगत निखारने में सहायक है।

माइग्रेन

माइग्रेन के मरीजों के लिए सुबह इस चाय का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है। यह दर्द के अलावा दिमागी थकान को भी दूर करती है।

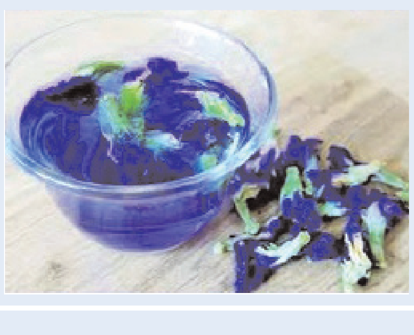

कमर दर्द से छूटकारा पाने के लिए जरूर अपनाए ये घरेलू उपाय

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है।

कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है। कमर दर्दकमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियॉ के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी। कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा। ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

ऑस्टियोपोरोसिस :हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर करने वाली खामोश बीमारी

डॉ रेणु शर्मा /ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों से जुड़ी एक सामान्य लेकिन गंभीर बीमारी है, जिसमें हड्डियां धीरे-धीरे अपनी घनत्व (डेंसिटी) और मजबूती खोने लगती हैं। इसके कारण हड्डियां कमजोर और नाजुक हो जाती हैं तथा मामूली चोट, फिसलने या हल्के झटके से भी टूट सकती हैं। इस बीमारी को 'साइलेंट डिजीज' अर्थात खामोश बीमारी कहा जाता है, क्योंकि यह कई वर्षों तक बिना किसी स्पष्ट लक्षण के विकसित होती रहती है और अधिकांश लोगों को इसके बारे में तब पता चलता है जब किसी हड्डी में फ्रैक्चर हो जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस का सबसे अधिक प्रभाव कूल्हों, रीढ़ की हड्डी और कलाई पर देखा जाता है, हालांकि शरीर की अन्य हड्डियां भी इससे प्रभावित हो सकती हैं। बढ़ती उम्र के साथ इसका खतरा बढ़ जाता है, विशेषकर महिलाओं में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन के स्तर में कमी आने के कारण यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। इसके अलावा पारिवारिक इतिहास, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, शारीरिक निष्क्रियता, धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, संधिशोथ और थायराइड जैसी बीमारियां तथा लंबे समय तक कॉर्टिकोस्टेरॉइड दवाओं का उपयोग भी इसके प्रमुख जोखिम कारक हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण शुरुआत में सामान्यतः दिखाई नहीं देते, लेकिन समय के साथ बार-बार फ्रैक्चर होना, पीठ में लगातार दर्द रहना, कद का कम होना तथा शरीर का आगे की ओर झुक जाना या कूबड़ निकलना इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं। इसलिए जोखिम वाले लोगों को समय-समय पर जांच कराना आवश्यक है। इस बीमारी का निदान मुख्य रूप से बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट और डेक्सा (ष्ठश्वङ्ग) स्कैन के माध्यम से किया जाता है, जिससे हड्डियों की मजबूती का सही आकलन किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव काफी हद तक जीवनशैली में सुधार करके किया जा सकता है। इसके लिए कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार लेना जरूरी है। दूध, दही, पनीर, हरी पत्तेदार सब्जियां, मेवे और फलियां हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होती हैं। नियमित रूप से सुबह की धूप लेना शरीर में विटामिन डी के निर्माण में मदद करता है, जो कैल्शियम के अवशोषण के लिए आवश्यक है। इसके साथ ही पैदल चलना, जॉगिंग और अन्य भार वहन करने वाले व्यायाम हड्डियों की मजबूती बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धूम्रपान और शराब जैसी आदतों से दूरी बनाना तथा अत्यधिक चाय-कॉफी का सेवन कम करना भी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसके अलावा घर और कार्यस्थल पर ऐसी व्यवस्था रखना जिससे गिरने की संभावना कम हो, विशेषकर बुजुर्गों के लिए, फ्रैक्चर के जोखिम को काफी हद तक घटा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ऑस्टियोपोरोसिस का समय रहते पता लगाकर और उचित खानपान,

नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हड्डियों को लंबे समय तक मजबूत और सुरक्षित रखा जा सकता है। जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच ही इस खामोश बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

(लेखिका मध्यप्रदेश की ख्यात क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट व इंटेंसिविस्ट हैं।)

मैथीदाना के 5 फायदे आपको पता होना चाहिए

मैथीदाने का प्रयोग आप खाने के स्वाद को बढ़ाने में करते हैं, लेकिन इसके सेहत और सौंदर्य लाभ आपको हैरत में डाल देंगे। आइए जानते हैं इनके अनमोल गुण।

- मैथीदाने का चूर्ण प्रतिदिन खाने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और वसा की मात्रा धीरे-धीरे कम हो जाती है। इस तरह से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं।
- मैथीदाने का नियमित सेवन दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में भी मदद करता है। यह दिल का दौरा पड़ने की आशंका को बेहद कम कर देता है और आप अपने हृदय को रख सकते हैं बिलकुल स्वस्थ।
- मधुमेह के मरीजों के लिए मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। इसको रोज रात में भिगोकर रखने के बाद रोज सुबह चबाकर खाने से और इसके पानी के सेवन से लाभ मिलता है।
- बालों की खूबसूरती के लिए भी मैथीदाना फायदेमंद है। इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाने से बालों से रूखापन गायब होता है, साथ ही बाल मजबूत बनते हैं।
- चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी यह मैथीदाना कुछ कम गुणवान नहीं है। इसे पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक के साथ कसाव आता है। इसके अलावा रूखी त्वचा वालों के लिए यह बहुत लाभप्रद है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करता है।

किसानों के 2 लाख रुपये तक के लोन माफ, महाराष्ट्र के 56 लाख किसानों को मिलेगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद किसानों के लिए बड़ी कर्जमाफी योजना को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार के अनुसार इस योजना पर करीब 36,585 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इससे महाराष्ट्र के लगभग 56 लाख किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार का दावा है कि इससे राज्य के लाखों किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर शेतकरी कर्जमुक्ती योजना' को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत पात्र किसानों के 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए जाएंगे। सरकार ने केवल कर्जमाफी ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से लोन चुकाने वाले किसानों को भी प्रोत्साहन देने का फैसला किया है। वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच तीन वर्षों में कम से कम दो बार समय पर फसल ऋण चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन लाभ दिया जाएगा। महायुति गठबंधन ने 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले किसानों से कर्जमाफी का वादा किया था। यह गठबंधन के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल था। चुनाव के बाद से किसान इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान बेमौसम बारिश, सूखा, फसलों को नुकसान और प्याज समेत कई कृषि उत्पादों की कीमतों में गिरावट से किसानों की आय प्रभावित हुई। ऐसे में कर्जमाफी की मांग लगातार तेज हो रही थी। सरकार का कहना है कि यह योजना किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने के साथ-साथ जिम्मेदार ऋण चुकौती को भी बढ़ावा देगी। समय पर कर्ज चुकाने वालों को प्रोत्साहन राशि देकर बेहतर वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देने की कोशिश की जाएगी। सरकार आने वाले दिनों में योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अन्य शर्तों से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर सकती है। किसानों को अब इन नियमों का इंतजार है ताकि वे योजना का लाभ उठा सकें। हालांकि, विपक्षी दलों ने योजना की शर्तों और इसके क्रियान्वयन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) ने मांग की है कि सभी किसानों का पूरा कृषि ऋण बिना किसी शर्त के माफ किया जाए। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने भी योजना की पात्रता और शर्तों को लेकर सरकार की आलोचना की है। कांग्रेस का कहना है कि कर्जमाफी केवल घोषणा बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि सभी जरूरतमंद किसानों तक इसका लाभ पहुंचना चाहिए।

उबर की 35,000 रोबोटैक्सी सड़कों पर उतारने की तैयारी, न्यूरो में लगाया 50 करोड़ डॉलर का दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। राइड-हेलिंग दिग्गज उबर ने सेल्फ-ड्राइविंग स्टार्टअप न्यूरो में लगभग 50 करोड़ डॉलर की भारी-भरकम निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह रकम सिर्फ एक निवेश नहीं, बल्कि कंपनी की रोबोटैक्सी को कमर्शियल रूप से सड़कों पर उतारने की बड़ी योजना का अहम हिस्सा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि इन वित्तीय संबंधों का पूरा आकार पहली बार सामने आया है। कई बार असफल शुरुआतों के बाद अब रोबोटैक्सी उद्योग ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। टेस्ला, अल्फाबेट की वेमो और अमेजन की जूक्स जैसी कंपनियां डेवलपमेंट, ट्रायल और शुरुआती व्यावसायिक सर्विसेज में जुटी हैं। उबर खुद को इस नए उद्योग के लिए एक मंच के रूप में स्थापित कर रही है। वह चीन की बायडू, अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता रिवियन, ब्रिटिश स्टार्टअप वेव जैसी कई स्वायत्त वाहन कंपनियों के साथ साझेदारी कर चुकी है। कुछ अमेरिकी शहरों में उबर, वेमो के साथ भी काम कर रही है। उबर की इस प्रतिबद्धता का एक बड़ा हिस्सा एक त्रिकोणीय साझेदारी है, जिसमें इलेक्ट्रिक कार कंपनी ल्यूसिड और सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक वाली न्यूरो शामिल हैं। इस समझौते के तहत 35,000 रोबोटैक्सी सड़कों पर उतारने की योजना है। इन टैक्सियों में ल्यूसिड की ग्रेविटी एसयूवी और भविष्य में आने वाली मिडसाइज कारें इस्तेमाल होंगी, जिनमें न्यूरो की तकनीक लगी होगी और इनका संचालन उबर के प्लेटफॉर्म के जरिए होगा। उबर और न्यूरो के बीच वित्तीय जुड़ाव का यह पूरा विवरण पहले कभी रिपोर्ट नहीं किया गया था।

सरकार ने पलट दिया खेल, संकेत दे रहे एलपीजी, एलएनजी और कच्चा तेल

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने खेल पलट दिया है। भारत के कच्चे तेल (क्रूड) और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के इंपोर्ट में मई में सुधार के संकेत दिखे हैं। इससे पहले, मार्च और अप्रैल के दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी सप्लाई बाधाओं के कारण इंपोर्ट पर बुरा असर पड़ा था। टाइम्स ऑफ इंडिया ने 3 जून को केप्लर के शिप-ट्रैकिंग डेटा का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। कच्चे तेल का आयात मार्च और अप्रैल के लगभग 45 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़कर मई में लगभग 49 लाख बैरल रोजाना हो गया। हालांकि, यह मात्रा फरवरी में दर्ज 52 लाख बैरल के स्तर से कम रही। इससे पता चलता है कि सप्लाई चेन अभी पूरी तरह से सामान्य नहीं हुई हैं।

मई में एलपीजी का आयात भी बेहतर हुआ। इसे सप्लाई के स्रोतों में विविधता लाने और घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के प्रयासों से मदद मिली। नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई में ज्यादा मजबूत उछाल देखा गया। यह फरवरी के स्तर से भी आगे निकल गई। इसने पर्याप्त भंडार बनाए रखने में मदद की। रूस भारत को कच्चे तेल की सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश के तौर पर अपनी स्थिति पर कायम रहा।

एलएनजी इंपोर्ट में कतर की घटी हिस्सेदारी

अस्थायी उतार-चढ़ाव के बावजूद लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई मोटे तौर पर स्थिर बनी रही। घरेलू उत्पादन के साथ आयात ने भी गैस के पर्याप्त भंडार का स्तर बनाए रखने में मदद की। केप्लर के डेटा से पता चला है कि हाल के महीनों में भारत के एलएनजी इंपोर्ट में कतर का हिस्सा कम हुआ है। वहीं, अमेरिका, ओमान, नाइजीरिया और अंगोला से सप्लाई को ज्यादा अहमियत मिली है। टीओआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने अलग-अलग जगहों से सोर्सिंग, अटलांटिक बेसिन के सप्लायर्स से ज्यादा सप्लाई, इन्वेंट्री मैनेजमेंट और डिमांड-साइड उपायों के मेल से सप्लाई में आई रुकावटों का सामना किया है। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर यह रुकावट लंबे समय तक बनी रहती है तो भारत की निर्भरता रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से होने वाली सप्लाई पर बढ़ सकती है। भले ही भारत ने 2025-26 में 43 अरब डॉलर का 'इनवर्ड (देश में आया निवेश) दर्ज किया हो।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने के बावजूद रूस ने सप्लाई की स्थिरता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाना जारी रखा। वहीं दूसरी ओर पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों से कच्चे तेल की सप्लाई में उतार-चढ़ाव बना रहा खासकर इराक और कुवैत से।

मई में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत को कच्चे तेल की सप्लाई करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया। इसके बाद सऊदी अरब, ब्राजील और वेनेजुएला का स्थान रहा। केप्लर के अनुसार, भारतीय रिफाइनरों के लिए रूसी कच्चा तेल आकर्षक बना रहा। इसकी वजह थी इसकी प्रतिस्पर्धी कीमतें, भरोसेमंद उपलब्धता और फ्लेक्सिबल लॉजिस्टिक्स व्यवस्था। यह ऐसे समय में हुआ जब कई पारंपरिक सप्लायर को एक्सपोर्ट से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। रूस से लगातार खरीदारी करने से भारत को होर्मुज स्ट्रेट के आसपास होने वाली सप्लाई बाधाओं से बचने में भी मदद मिली। अटलांटिक बेसिन के उत्पादकों से ज्यादा कीमत पर खरीदारी करने की जरूरत भी कम हो गई। होर्मुज के रास्ते होने वाली शिपिंग में आई बाधाओं के कारण खाड़ी क्षेत्र से एलपीजी सप्लाई पर दबाव बना रहा। फरवरी के दौरान 20 लाख टन प्रति माह से ज्यादा रहने वाला आयात मार्च से मई के बीच घटकर लगभग 10-12 लाख टन रह गया।

अमेरिका-ईरान से चल रहा भारत का 'चूल्हा', यूएस के साथ 10 प्रतिशत की थी डील लेकिन 55 प्रतिशत पहुंच गई सप्लाई

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तीन महीने से भी अधिक समय से तनातनी चल रही है। इस कारण दुनियाभर में एनर्जी सप्लाई की स्थिति टाइट हुई है। लेकिन दिलचस्प बात है कि ऐसी स्थिति में भी भारत इन दोनों देशों से एलपीजी खरीद रहा है। मई में अमेरिका और ईरान भारत के टॉप दो एलपीजी सप्लायर रहे। भारत के कुल एलपीजी आयात में दोनों देशों का हिस्सा करीब दो-तिहाई रहा। ईटी की एक रिपोर्ट में एनर्जी कार्गो ट्रैकर चश्वद्यद्गह्ल के हवाले से यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक मई में अमेरिका से एलपीजी की सप्लाई 666,000 टन रही जो फरवरी के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। बीते महीने महीने भारत के कुल एलपीजी इंपोर्ट में अमेरिका की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत रही। मई में भारत ने ईरान से 145,000 टन एलपीजी इंपोर्ट की और वह अमेरिका के बाद भारत का दूसरा बड़ा सप्लायर रहा। इस दौरान भारत के कुल आयात में ईरान का हिस्सेदारी करीब 12 प्रतिशत रही। साथ ही भारत ने कई और देशों से भी सप्लाई मंगाई। इनमें कई ऐसे देश भी हैं जहां से भारत ने पहले कभी गैस नहीं मंगाई। इनमें ऑस्ट्रेलिया, रूस, अर्जेंटीना तथा अफ्रीकी देश कांगो, अंगोला, नाइजीरिया और कैमरून शामिल हैं। मई में भारत का कुल एलपीजी आयात अप्रैल के मुकाबले 25 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन यह फरवरी के स्तर से 40 प्रतिशत कम रहा। अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी को जंग शुरू हुई थी।

एलआई के करोड़ों रुपये फंसे !

5 प्रतिशत लोअर सर्किट, 15 लाख करोड़ की गड़बड़ी का मामला

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और ज्वेलरी कारोबार से जुड़ी कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स एक बार फिर सुर्खियों में है। बड़ी कार्रवाई के बाद कंपनी के शेयरों में भारी दबाव देखने को मिला। गुरुवार 4 जून को राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट पर पहुंच गया। यह गिरावट उस समय आई है, जब सेबी ने कंपनी के प्रमोटर और चेयरमैन राजेश मेहता पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए उन्हें शेयर बाजार में कारोबार करने से रोक दिया है।

सेबी की इस कार्रवाई ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि राजेश एक्सपोर्ट्स में सिर्फ छोटे निवेशकों का ही नहीं बल्कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का भी बड़ा निवेश है। मार्च 2026 की शेयरहोल्डिंग के अनुसार पास कंपनी में करीब 10.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा लगभग 1.94 लाख छोटे रिटेल निवेशकों के पास भी कंपनी के 14.13 प्रतिशत शेयर हैं। ऐसे में शेयर में आई गिरावट का असर लाखों निवेशकों पर पड़ सकता है।

सेबी की जांच में कई गंभीर बातें सामने आई हैं। नियामक संस्था का आरोप है कि राजेश मेहता कंपनी और उसकी विदेशी सहायक इकाइयों के वित्तीय और ऑपरेशन मामलों पर पूरा कंट्रोल रखते थे। जांच के दौरान कंपनी ने जरूरी दस्तावेज, अकाउंट बुक्स और सहायक कंपनियों के रिकॉर्ड उपलब्ध कराने में पूरा सहयोग नहीं किया। का कहना है कि कंपनी ने फॉरेंसिक ऑडिट के दौरान भी कई अहम जानकारियां साझा नहीं कीं, जिससे वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इन आरोपों के बाद बाजार में राजेश एक्सपोर्ट्स के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। निवेशकों को सबसे बड़ा झटका इस बात से लगा कि कभी बाजार के पसंदीदा शेयरों में शामिल राजेश एक्सपोर्ट्स अब लगातार गिरावट का शिकार हो रहा है।

अगर शेयर के प्रदर्शन पर नजर डालें तो तस्वीर और भी चौंकाने वाली है। फरवरी 2023 में राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर 1,029 के अपने ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन, अब यह शेयर करीब 104 के आसपास कारोबार कर रहा है, यानी अपने उच्चतम स्तर से यह लगभग 90 प्रतिशत टूट चुका है।

पिछले 5 सालों से कंपनी के शेयर लगातार नकारात्मक रिटर्न दे रहे हैं। साल 2022 में शेयर में मामूली 0.8 प्रतिशत गिरावट आई थी। इसके बाद 2023 में 50 प्रतिशत, 2024 में 37 प्रतिशत, 2025 में 20 प्रतिशत और 2026 में अब तक 42 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। लगातार गिरावट ने निवेशकों की संपत्ति में भारी कमी ला दी है। एक्सपर्ट का मानना है कि की जांच अभी शुरुआती चरण में है और आने वाले समय में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। ऐसे में निवेशकों को कंपनी से जुड़ी हर नई जानकारी पर नजर रखने की जरूरत है। फिलहाल बाजार की धारणा राजेश एक्सपोर्ट्स के प्रति काफी नकारात्मक बनी हुई है और सेबी की अंतिम रिपोर्ट आने तक शेयर में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में डकार गया था पाकिस्तान की मिसाइलें, अब मिली चौथी खेप

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के बीच भारत की मिसाइल डिफेंस क्षमताओं को एक बड़ा बूस्ट मिला है। लंबे इंतजार के बाद रूस से एस-400 ट्रायम्फ यानी सुदर्शन चक्र की चौथी खेप मिलनी शुरू हो चुकी है। पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस सिस्टम ने देश और दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा था। सूत्रों के मुताबिक इस चौथे एस-400 रेजिमेंट की खेप समुद्री मार्ग से भारत पहुंचनी शुरू हो गई है। इसकी पहली खेप 3 जून को भारत पहुंची। जब पूरा सिस्टम यहां पहुंच जाएगा, तो इसे तैनात कर दिया जाएगा। इसे पश्चिमी सीमा यानी पाकिस्तान से लगी सीमा पर तैनात किया जा सकता है। जानिए कितनी है इसकी कीमत स-400 सिस्टम ने पिछले साल मई में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में मिसाइलों को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। इस दौरान इसने पाकिस्तान के एक टोही विमान को सरफेस टू एयर मिसाइल से मार गिराया था। भारत ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को खरीदने के लिए अक्टूबर 2018 में 5.43 अरब डॉलर यानी करीब 52,000 करोड़ रुपये की डील की थी। यानी हर स्क्वाड्रन की कीमत 10,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके तहत भारत को रूस से एस-400 की पांच स्क्वाड्रन मिलनी थीं। इनमें से तीन स्क्वाड्रन दो साल पहले ही आ चुकी थीं। लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण बाकी दो मिलने में देर हो रही है। अब भारत को एस-400 की चौथी स्क्वाड्रन की खेप मिलनी शुरू हो चुकी है। पांचवीं स्क्वाड्रन के नवंबर तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। रूस ने भारत के अलावा चीन और तुर्की को भी यह सिस्टम बेचा है। यह दुनिया के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम्स में

शामिल है। यह एक साथ 400 किमी दूर तक कई टारगेट्स को ट्रैक करने में सक्षम है। इनमें फाइटर एयरक्राफ्ट, बैलिस्टिक मिसाइल्स, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और एयरबोर्न सर्विलांस प्लेटफॉर्म्स शामिल है अमूमन एक स्टैंडर्ड स्क्वाड्रन में 8 से 12 मोबाइल ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर होते हैं। हरेक में 4 मिसाइल ट्यूब होती हैं। यानी किसी भी समय लॉन्चर पर 48 मिसाइलें फायर करने के लिए तैयार रहती हैं। भारत ने अपनी पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर एक त्रिकोणीय सुरक्षा कवच बना रहा है। पंजाब-जम्मू, राजस्थान-गुजरात और सिक्किम जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में तैनात किया है। पिछले साल पाकिस्तान के साथ संघर्ष में स-400 के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए सरकार ने रूस से इस सिस्टम की पांच और स्क्वाड्रन खरीदने की मंजूरी दी है। साथ ही भारत एक स्वदेशी कार्यक्रम पर भी काम कर रहा है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसका कोडनेम 'प्रोजेक्ट कुशा' रखा गया है। इसका उद्देश्य ऐसे अपने खुद के एयर डिफेंस सिस्टम विकसित करना है, जो अलग-अलग दूरियों से दुश्मन के ड्रोन, मिसाइलों और शत्रु विमानों को मार गिराने में सक्षम हो।

आईटीआर भरते समय 2026 में न करें ये गलतियां, वरना रिफंड आने में होगी देरी, नोटिस के भी खतरे

नईदिल्ली, एजेंसी। हर साल की तरह इस बार भी करोड़ों लोग इनकम टैक्स रिटर्न भरने की तैयारी में हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फॉर्म चुनने से लेकर बैंक डिटेल भरने तक की छोटी-छोटी चूक आपका रिफंड अटका सकती है, नोटिस आने की वजह बन सकती है या रिटर्न ही खारिज हो सकता है अब आयकर विभाग पूरी तरह ऑटोमेटेड सिस्टम पर काम करता है। आपके रिटर्न का मिलान, फॉर्म रिकॉर्ड और बैंक खाते की जानकारी से अपने आप होता है। इसलिए अब पहले से कहीं ज्यादा सटीकता जरूरी है।

रिटर्न भरते वक्त 2026 में न करें ये 7 गलतियां: गलत फॉर्म का चुनाव करना: यह सबसे आम और बड़ी गलती है। गलत फॉर्म भरने पर रिटर्न को डिफेक्टिव मानकर नोटिस भेज दिया जाता है और प्रोसेसिंग रुक जाती है। अगर आपने शेयर या म्यूचुअल फंड से कैपिटल गेन कमाया है तो न भरें। विदेशी संपत्ति, एक से ज्यादा मकान या बिजनेस इनकम होने पर भी का इस्तेमाल न करें।

फॉर्म 26 और फॉर्म 16 का मिलान न करना: अधिकतर नौकरीपेशा लोग सिर्फ कंपनी से मिले फॉर्म 16 के भरोसे रिटर्न भर देते हैं, लेकिन वे बैंक एफडी और बचत खाते के ब्याज, डिविडेंड, कैपिटल गेन्स आदि की जानकारी अपडेट करना भूल जाते हैं। यही बेमेल जानकारी रिटर्न के रिव्यू में जाने का सबसे बड़ा कारण है।

टैक्स डेटा अपडेट होने से पहले ही रिटर्न भर देना: खासकर नौकरीपेशा लोगों के

लिए जरूरी सलाह है कि जब तक फॉर्म 16 जारी न हो जाए, पूरी तरह अपडेट न हो जाए और फॉर्म की सही एंट्री न दिखने लगे, तब तक रिटर्न फाइल करने की जल्दबाजी न करें। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, जून के मध्य तक इंतजार करना बेहतर रहता है, ताकि डेटा पूरी तरह अपडेट हो चुका हो और बाद में संशोधित रिटर्न न भरना पड़े।

बैंक डिपॉजिट, डिविडेंड और अतिरिक्त आय को भूल जाना: अक्सर लोग ये दिखाना भूल जाते हैं... कएफडी और बचत खाते पर ब्याज कशेयरों से मिलने वाला लाभांश (डिविडेंड) कफ्रीलांसिंग या प्राइवेट कंसल्टिंग से हुई कमाई कमकान किराये से आय याद रखें, बैंक और वित्तीय संस्थाएं ये सारी जानकारी सीधे आयकर विभाग को भेज चुकी होती हैं। कुछ सामान्य गलतियां जैसे, धारा 80सी के तहत जरूरत से ज्यादा कटौती दिखाना, कसेक्शन 80डी में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम की गलत जानकारी भरना, जो कटौती कंपनी पहले ही फॉर्म 16 में शामिल कर चुकी है, उसे दोबारा दावे में डाल देना आदि। ऐसी गलतियों पर बाद में टैक्स डिमांड का नोटिस आ सकता है। केवल उतना ही टीडीएस क्लेम करें जितना फॉर्म 26स या टैक्स स्टेटमेंट में सही-सही दिख रहा हो। जरूरत से ज्यादा टीडीएस क्रेडिट दिखाना रिफंड अटकने और विभागीय पूछताछ की बहुत बड़ी वजह है। पैन नंबर, जन्मतिथि, पता, ईमेल और मोबाइल नंबर जैसी छोटी-सी गलती से प्रोसेसिंग में दिक्कत आ सकती है और हो सकता है आयकर विभाग की अहम सूचना आप तक पहुंचे ही न। ऐसी गलतियां जो सीधे आपका रिफंड रोक सकती हैं अगर आप जल्दी रिफंड पाने की उम्मीद कर रहे हैं।

फ्लिपकार्ट पर जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम फैशन सेल शुरू हुई

मुंबई, एजेंसी। भारत के होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट ने अपनी लेटेस्ट फैशन सेल 'जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम' पेश की है, जो भारत के डिजिटल-फर्स्ट ग्राहकों को शॉपिंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। दिलचस्प भारतीय ट्रेंड ''गरम गरम'' के साथ जेन ज़ी के विश्वप्रसिद्ध ट्रेंड ''जीआरडब्लूएम'' (गेट रेडी विद मी) से प्रेरित यह कैम्पेन फ्लिपकार्ट फैशन की फ्लैगशिप एंड-ऑफ-सीज़न सेल को एक नई, ट्रेंड-फर्स्ट पहचान दे रहा है। यह कैम्पेन पारंपरिक क्लीयरेंस सेल से अलग है। इसमें जो नया है, जो ट्रेंड कर रहा है और जो सांस्कृतिक रूप से जुड़ा है, वह पेश किया जा रहा है। यह सेल फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस सेलर्स और होमग्रोन डी2सी ब्रांड्स के बढ़ते हुए परिवेश के माध्यम से फैशन के लिए अगले 200 मिलियन भारतीयों को ऑनलाईन लाने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है।

जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम सेल में प्रमुख फैशन ब्रांड, उभरते हुए डी2सी लेबल, मार्केटप्लेस सेलर और बढ़ता क्रिएटर ईकोसिस्टम हिस्सा ले रहा है। इसमें 50 से अधिक इंटरनेशनल और होमग्रोन ब्रांड्स के 10 लाख से अधिक ट्रेंडी प्रोडक्ट उपलब्ध होंगे। शॉपिंग का उत्साह बढ़ाने के लिए शॉपर्स को रिवार्ड, स्क्रैच कार्ड, सुपरकॉईन के ऑफर आदि दिए जाएंगे। इस सेल में भारत के ग्राहकों को सभी लोकप्रिय रेंज और बजट में अनेकों स्टाईल उपलब्ध होंगे। देश के ग्राहकों को बैगी जीन्स से लेकर कोरियन ट्राउज़र्स, फ्लोरल ड्रेस से लेकर पैलेज़्ज़ो सेट और सर्वोच्च इंटरनेशनल एवं डी2सी ब्रांड्स एक ही जगह मिलेंगे।

कैम्पेन को एक हाई-एनर्जी टीवीसी द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है, जो जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम की आकर्षक जिंगल पर बना है। इसमें फैशन की नजर से रोजमर्रा के प्रोफेशनल्स को दिखाया गया है। इस फिल्म में फायरफाईटर्स से लेकर स्ट्रीट स्टाईल के आकर्षक लुक और आरामदायक इटैलियन समर फैशन में लॉयर्स तक सभी को मशहूर ट्रेंड्स और अप्रत्याशित सैटिंग में दिखाकर फैशन के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति करने की एक दिलचस्प कहानी बनाई गई है।

एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल, इंदौर ने शहरभर में एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान आयोजित

मुंबई, एजेंसी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल, इंदौर ने शहरभर में एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया, जिसका उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों और बढ़ते मुख कैंसर के खतरे के प्रति जागरूक करना था। आकर्षक नुक्कड़ नाटकों और इंटरैक्टिव जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से इस अभियान ने इंदौर और आसपास के छह प्रमुख स्थानों पर 1,500 से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बनाई।स्ट्रीट और नेक्सस मॉल सहित शहर के व्यस्त सार्वजनिक स्थलों और युवाओं के बीच लोकप्रिय क्षेत्रों में आयोजित किया गया, ताकि अधिकतम सामुदायिक सहभागिता और जनसंपर्क सुनिश्चित किया जा सके।इस पहल का उद्देश्य मुख कैंसर के प्रति शुरुआती जागरूकता बढ़ाना, तंबाकू की लत से जुड़े खतरों को उजागर करना और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी कहानियों एवं प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करना था।

एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने रेडहेक्स हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया

इंदौर/ भोपाल, एजेंसी। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने रेडहेक्स हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया है, जो एक स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) की रणनीति है। इसे उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो नियमित रिटर्न और पूंजी वृद्धि की तलाश में हैं। यह रणनीति विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों—फिक्स्ड इनकम, इक्विटी आर्बिट्राज, आरईआईटी और इनविट यूनिट्स—में निवेश को मिलाकर बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जोखिम-समायोजित रिटर्न हासिल करने का प्रयास करती है। इसका नया फंड ऑफर (एनएफओ) 2 जून 2026 से 16 जून 2026 तक खुला रहेगा। कैलाश कुलकर्णी, सीईओ, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने कहा, आज के निवेशक पहले से ज़्यादा समझदार हैं। उन्हें ऐसे नए तरीकों की ज़रूरत है जिन्हें पेशेवर विशेषज्ञ संभालते हों और जो बाज़ार के उतार-चढ़ाव को झेल सकें। रेडहेक्स हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड को एक आसान बीच के रास्ते की तरह बनाया गया है। इसमें निवेशकों को म्यूचुअल फंड जैसी साफ़-सुथरी जानकारी भी मिलती है, और साथ ही इसमें ऐसा लचीलापन भी है जिससे कम जोखिम में टैक्स बचाते हुए बेहतर कमाई हो सके। श्रीराम रामनाथन, सीआईओ फिक्स्ड इनकम, एचएसबीसी म्यूचुअल फंड ने कहा, हमारा पूरा ध्यान अच्छे फंड चुनने और जोखिम को कम रखने पर है, ताकि बाज़ार के उतार-चढ़ाव में भी आपका पैसा सुरक्षित रहे और लगातार बढ़ता रहे। साथ ही, यह फंड सोच-समझकर आरईआईटी और इनविट्स में भी थोड़ा निवेश करेगा, क्योंकि ये दोनों नए और तेजी से बढ़ते हुए निवेश के विकल्प हैं। पारंपरिक म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) या आल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) जैसे महंगे उत्पादों के बीच के अंतर को कम करने के लिए एसआईएफ की शुरुआत की गई थी।

फ्रेंच ओपनः अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' स्नेहा ने यह भी माना कि रातोंरात मिली शोहरत की अपनी कीमत होती है। उन्होंने कहा कि स्टार बनने के बाद उनकी आजादी, कॉलेज लाइफ और टीनएज सब कहीं पीछे छूट गया। उन्होंने कहा, 'मैं 16 साल की उम्र से सीधे बड़ी हो गई।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

'12वीं फेल' के हिट होने के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती।

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

जगद्गुरू श्री रामललाचार्य जी से उप मुख्यमंत्री ने लिया आशीर्वाद, श्रीराम कथा एवं श्रीराम महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

श्रीराम कथा भवसागर से पार उतारती है : राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल, नप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि श्रीराम कथा भवसागर से पार उतारती है। एक राम नाम ही इस शरीर रूपी रथ का संवाहक है। ऐसे अवसर बड़े मनोरथों के उपरांत आते हैं इसलिए हम सब अपने मनोरथ को पूर्ण करें। श्री शुक्ल श्रीराम कथा एवं श्रीराम महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरू श्री रामललाचार्य जी से आशीर्वाद लिया।

श्रीराम जानकी मंदिर नजरबाग बाबूपुर में आयोजित श्रीराम कथा में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जगद्गुरू की अमृत वाणी से रामकथा का रसास्वादन 9 दिनों तक होगा और जनमानस कृतार्थ होगा तथा श्रीराम के चरित्र को अपने ह्रदय में बसायेगा। उन्होंने कहा कि श्रीराम एवं श्रीकृष्ण की कथा ज्ञान की गंगा है और जब वह महाराज जी जैसे ऋषियों की अमृत वाणी से कही जायेगी तो और भी ज्ञानप्रद होगी। उन्होंने कहा कि महाराज जी का आगमन सौभाग्य की बात है। यह स्थल तीर्थ बनेगा। आज कथा का प्रथम दिवस है और भक्तजनों में अपार उत्साह है। मंदिर में होने वाली रामकथा का सौ गुना लाभ मिलता है। श्री शुक्ल ने कहा कि ईश्वर की कृपा और गौमाता के आशीर्वाद से ही रीवा का विकास हुआ है। मनुष्य के हाथ में कुछ नहीं है सब कुछ ईश्वर की कृपा से ही होता है। उन्होंने कहा कि भगवान भक्त से प्रसन्न होते हैं और शरणागत को ही भक्त मानते हैं। प्रथम दिवस की कथा में जगद्गुरू ने श्रीराम के चरित्र का गुणगान करते हुए कहा कि श्रीराम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। उनके द्वारा स्थापित आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। राम का चरित्र सर्वश्रेष्ठ है और इतिहास में रामायण सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में भक्तजनों ने प्रथम दिवस की कथा का श्रवण किया।

गतदिवस निकाली गई कलश यात्रा :- रामकथा से पूर्व गतदिवस कलश यात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। बीटीएल बाला जी मंदिर से आरंभ होकर कलश यात्रा भुंइया बाबा की पूजा-अर्जना के उपरांत श्रीराम जानकी मंदिर में संपन्न हुई। इस दौरान जगद्गुरू का भक्तजनों ने स्वागत एवं वंदन किया।

उप मुख्यमंत्री ने श्री राजेंद्र शुक्ल ने श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किये तथा श्री रामकथा एवं श्रीराम यज्ञ की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मडफेश्वर महादेव मंदिर में भगवान आशुतोष के दर्शन किये तथा हवन यज्ञ में आहुति दी। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जानकी मंदिर नजरबाग बाबूपुर में 3 जून से 11 जून तक दिव्य श्री रामकथा व श्री रामयज्ञ का आयोजन किया गया है। जगदगुरू रामानंदचार्य श्री रामललाचार्य जी महाराज की अमृत वाणी से रामकथा का वाचन होगा।

भोपाल में 11 परिसरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल शहर संभाग पूर्व अंतर्गत चांदबढ़ जोन में बिजली चोरी की शिकायतों एवं स्मार्ट मीटरों से प्राप्त संकेतों के आधार पर विशेष जांच अभियान में कार्रवाई की गई। विजिलेंस ऐप में दर्ज मामलों के आधार पर 11 परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी गई।

जांच में कुल 11 परिसरों में विद्युत पोल से सीधे तार जोड़कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए विद्युत चोरी पाई गई। सभी मामलों में नियमानुसार पंचनामा तैयार कर विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर एवं डिजिटल निगरानी प्रणालियों के माध्यम से विद्युत चोरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। विद्युत चोरी की रोकथाम एवं राजस्व संरक्षण के लिए ऐसे विशेष जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध विद्युत कनेक्शन का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की विद्युत चोरी या अनियमितता से बचें। विद्युत चोरी न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे विद्युत व्यवस्था की गुणवत्ता एवं सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

विद्यार्थियों में जन सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता की समझ विकसित करेगा 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद 'मध्यप्रदेश पुलिस के सामुदायिक पुलिसिंग प्रभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा कार्यक्रम का आयोजन

पुलिस अधिकारियों एवं शिक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस के सामुदायिक पुलिसिंग प्रभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी, भोपाल में चल रहे प्रशिक्षण का 4 जून को समापन होगा। इसके अंतर्गत पुलिस अधिकारियों एवं शिक्षकों को सामुदायिक पुलिसिंग एवं सृजन संवाद कार्यक्रम की अवधारणा, प्रशिक्षण पद्धति, पुलिस तंत्र एवं कार्यप्रणाली, मानवाधिकार एवं बाल अधिकार, महिला अधिकार, साइबर अपराध एवं संबंधित कानूनों, सहभागितापूर्ण प्रशिक्षण तकनीकों तथा कार्ययोजना एवं रिपोर्टिंग तंत्र से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी का नाम बदलने की तैयारी, 'वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय' का प्रस्ताव पारित

भोपाल, नप्र। राजधानी के प्रतिष्ठित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी के नाम से पीछा छुड़ाना चाहता है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने इसका नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय करने का प्रस्ताव पारित किया है। प्रस्ताव उच्च शिक्षा विभाग को भेजा जाएगा। प्रस्ताव में तर्क है कि शिक्षा संस्थान का नाम क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति और गरिमा को दर्शाने वाला होना चाहिए। मौलाना बरकतउल्ला गदर पार्टी के सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी और विद्वान थे, परंतु उनका अधिकांश जीवन विदेश में बीता। राजा भोज की तुलना में बरकतउल्ला भोपाली का भोपाल के विकास और सांस्कृतिक उत्थान में कोई विशेष सीधा योगदान नजर नहीं आता।

वहीं, प्रतापी राजा भोज ने धार में भोजशाला (सरस्वती मंदिर) की स्थापना की थी, जो उस दौर का महान विश्वविद्यालय था। राजा भोज ने स्थापत्य, नगर नियोजन और यांत्रिक कला पर समरांगण सूत्रधार सहित 80 ग्रंथों की रचना की। भोपाल का बड़ा तालाब और भोजपुर मंदिर उनकी दूरदर्शिता के प्रमाण हैं।

सात जुलाई 1854 को भोपाल के इतवारा में जन्मे मौलाना बरकतउल्ला भोपाली स्वतंत्रता आंदोलन की क्रांतिकारी धारा के सेनानी थे। कई भाषाओं के विद्वान मौलाना ब्रिटिश शासन के कट्टर विरोधी थे और जापान, अमेरिका, जर्मनी तथा अफगानिस्तान में रहकर भारत की आजादी के लिए समर्थन जुटाते रहे। 1915 में अफगानिस्तान के काबुल में स्थापित भारत की पहली निर्वासित सरकार में वह प्रधानमंत्री बनाए गए थे, जबकि राजा महेंद्र प्रताप उसके अध्यक्ष थे। यह ब्रिटिश शासन को चुनौती देने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। उनकी स्मृति को जीवित रखने के लिए 1970 में स्थापित भोपाल विश्वविद्यालय का नाम 1988 में उनके नाम से जोड़ दिया गया। कार्यपरिषद की बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय का नाम बदलने की अनुशंसा का प्रस्ताव पारित कर अग्रिम कार्यवाही के लिए भेज दिया है।

जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार के लिए प्रदेश में चलाया जा रहा है जन आंदोलन : सिलावट

भोपाल, नप्र। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार के लिए जन आंदोलन चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन और एक पेड़ मां के नाम अभियान गांव गांव, नगर नगर में समाज के सभी वर्गों के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। इन अभियानों में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करें। वर्षाकाल के पूर्व सभी विभागीय जल संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य पूरे कर लिए जाएं। कार्य में किसी भी प्रकार की कोई भी लापरवाही अक्षम्य होगी। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में निर्माणाधीन विभागीय कार्य एवं परियोजनाओं की समीक्षा की तथा बारिश के पूर्व के सभी कार्य पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता श्री विनोद देवड़ा सहित विभाग के वरिष्ठ

अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने कछार वार मुख्य अभियंताओं के साथ उनके क्षेत्र में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की तथा निर्देश दिए कि वर्षाकाल के मद्देनजर आगामी 15 दिनों में वहां आवश्यक कार्य करा लिए जाएं। चंबल बेतवा कछार भोपाल के अंतर्गत पार्वती, सुठालिया, टेम, कान्याखेड़ी एवं ग्वालटोरिया परियोजनाओं की समीक्षा की गई. धसान केन कछार अंतर्गत आपचंद, मझगांय, सतधारू, पवई और काठन परियोजना, बीना पीएमयू सागर के अंतर्गत बंडा, हनोता, पंचम नगर, कडान, साजली कैथ, जूडी और जेरा परियोजना, बेतवा एमओयू भोपाल के अंतर्गत कोठा बैराज एवं बीना परियोजना, नर्मदा ताप्ती कछार इंदौर के अंतर्गत तलवाड़ा, पांगरी एवं कारम परियोजना, बेनगंगा कछार सिवनी के अंतर्गत छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स, पैंच माइक्रो सिंचाई, शेर सिंचाई कॉम्प्?लेक्स, मांडवा होज इरिगेशन, अपर बुडनेर, छीताबुजरी, हिरण, बगराजी नहर, मुर?की पाइप नहर परियोजना, गंगा कछार रीवा के अंतर्गत त्योंथर बहाव, त्योंथर माइक्रो, रामनगर माइक्रो, नई गढ़ी माइक्रो, रिहंद माइक्रो, भन्नी, बहुती, गोढ़, सीतापुर हनुमना, दोरी सागर एवं सेमरिया माइक्रो परियोजना तथा यमुना कछार ग्वालियर के अंतर्गत कनेरा माइक्रो, चंबल माइक्रो, मुंझारी, चेंटीखेड़ी एवं सरकुला परियोजना के कार्यों की समीक्षा की गई।

उप मुख्यमंत्री ने राजेंद्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का किया भ्रमण

भोपाल, नप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तदुपरांत श्री शुक्ल ने अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें वन्य विहार में चल रही विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों को गति देने और व्यवस्थाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने परिसर में की जा रही प्राकृतिक खेती की गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में व्यवस्थाओं को उच्च स्तरीय बनाया जा रहा है ताकि यह प्राकृतिक खेती और गौसंरक्षण के प्रमुख केन्द्र के तौर पर अपनी पहचान स्थापित कर सके। उन्होंने परिसर में निर्माणाधीन 'ऋषि कुलम' और 'बायो इनपुट सेंटर' का भी निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्देश दिये की सभी निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान एसडीएम दृष्टि जायसवाल, डॉ. राजेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं गौवंश वन्य विहार से संबंधित जन उपस्थित रहे।

विदिशा एवं सांची स्टेशन पर चार प्रमुख ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव की अवधि बढ़ाई गई

भोपाल, नप्र। यात्रियों की सुविधा एवं जनप्रतिनिधियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विदिशा एवं सांची स्टेशन पर चार महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव की अवधि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का ठहराव वर्तमान समय-सारिणी के अनुसार आगामी आदेश तक जारी रहेगा।

विस्तारित प्रायोगिक ठहराव का विवरण निम्नानुसार है–

1 . गाड़ी संख्या 12629 यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, विदिशा स्टेशन पर 31.06.2026 से आगामी आदेश तक ।

2. गाड़ी संख्या 12630 हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, विदिशा स्टेशन पर 30.06.2026 से आगामी आदेश तक ।

3. गाड़ी संख्या 16031 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस, सांची स्टेशन पर 28.06.2026 से आगामी आदेश तक ।

4. गाड़ी संख्या 16032 चेन्नई सेंट्रल-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस, सांची स्टेशन पर 28.06.2026 से आगामी आदेश तक । सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इन ट्रेनों का ठहराव पूर्व में प्रायोगिक आधार पर स्वीकृत किया गया था। यात्रियों द्वारा प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया तथा क्षेत्रीय आवश्यकता को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने इनके ठहराव को आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे विदिशा, सांची एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध रहेगा तथा धार्मिक, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक यात्राओं में सुविधा मिलेगी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि इन ट्रेनों का ठहराव एवं समयसारणी की अधिक जानकारी के लिए रेलवे मदद 139 अथवा NTES के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जनजातीय कार्य विभाग की तबादला नीति जारी

भोपाल। जनजातीय कार्य विभाग ने अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वैच्छिक तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन 8 जून तक किए जा सकेंगे, जबकि आवेदन के परीक्षण और अनुमोदन की प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुसार होगी। नई व्यवस्था के तहत छात्रावास या आश्रम अधीक्षक के पद पर तबादले के माध्यम से पदस्थापना नहीं की जाएगी। आवेदकों को स्थानांतरण के लिए सीमित संख्या में विकल्प देने होंगे और स्वैच्छिक तबादले के लिए बताए गए कारणों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

एक बार आवेदन जमा होने के बाद उसमें किसी प्रकार का संशोधन संभव नहीं होगा।

गलत जानकारी देने पर कार्रवाई होगी

विभागीय आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि आवेदन में दी गई जानकारी की सत्यता की जिम्मेदारी आवेदक और उसके सत्यापन की जिम्मेदारी संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ) की होगी। यदि कोई गलत जानकारी सामने आती है तो आवेदक के साथ-साथ सत्यापन करने वाले अधिकारी के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रिक्त विषयों पर ही होंगे शिक्षकों के तबादले–विभाग ने माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर भी स्पष्ट किया है कि उनकी पदस्थापना केवल संबंधित विषय के रिक्त पदों पर ही की जाएगी।

वहीं, परिवीक्षा अवधि में कार्यरत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों के प्रशासनिक अथवा स्वैच्छिक तबादले नहीं किए जाएंगे।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना परिसर में भव्य साइकिल रैली आयोजित

भोपाल, नप्र। विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 एवं विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर भोपाल रेल मंडल में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न इकाइयों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में निशातपुरा स्थित सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना परिसर में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य कर्मचारियों एवं आमजन के बीच पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा साइकिल उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। रैली का शुभारंभ कारखाना परिसर से किया गया, जिसमें कार्यालय के विभिन्न विभागों, अनुभागों, शाखाओं एवं प्रशिक्षण संस्थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली प्रशासनिक भवन परिसर से तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान तक निकाली गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम.एल. मीणा ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम की

रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल बी. कोहाड़े ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। रैली के समापन पर सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री मनोज कुमार सिंह, सहायक कार्य प्रबंधक श्री प्रशांत नर्सिंगपुरकर, सहायक कारखाना लेखा अधिकारी श्री शंभुशरण प्रसाद सहित विभिन्न अनुभागों एवं शाखाओं के पर्यवेक्षक तथा कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य कारखाना प्रबंधक ने रैली के सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति निरंतर योगदान की कामना की। अंत में सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

80 लाख रुपये लेकर चांदी न देने का आरोप, पीड़ित परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

भोपाल सीहोर में एक ज्वेलर्स पर 80 लाख रुपये लेकर चांदी की डिलीवरी नहीं देने का गंभीर आरोप सामने आया है पीड़िता कृष्णा बाई और उनके पुत्र श्रीराम तंवर ने बताया कि 23 जनवरी 2026 को उन्होंने 99.99 प्रतिशत शुद्धता वाली 25 किलो चांदी खरीदने के लिए अंबाजी ज्वेलर्स को करीब 80 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान किए थे पीड़ितों के अनुसार ज्वेलर्स द्वारा सात दिन के भीतर चांदी उपलब्ध कराने का वादा किया गया था, लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें न तो चांदी मिली और न ही उनकी राशि वापस की गई। मां-बेटे का कहना है कि वे पिछले कई महीनों से न्याय के लिए विभिन्न कार्यालयों और अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है उन्होंने ज्वेलर्स संचालक अनुज रावत पर डराने-धमकाने के भी आरोप लगाए हैं पीड़ित परिवार का दावा है कि उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया कि न तो पैसा लौटाया जाएगा और न ही चांदी दी जाएगी

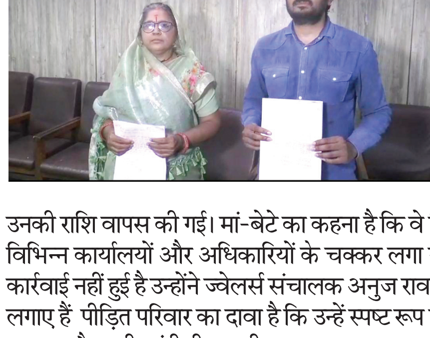

पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला तो वे प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे अस्वीकरणः यह समाचार पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। मामले की जांच और संबंधित पक्ष का पक्ष सामने आना शेष है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र) प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक–सुमेर सिंह यादव
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950